E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 140 | गुवाहाटी | गुरुवार, 19 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

उत्तराखंड में जनवरी से लागू होगी यूसीसी, सभी तैयारियां पूरी — पेज 2

जैश-ए-मोहम्मद से कथित संबंध के आरोप में आठ लोग गिरफ्तार — पेज 3

प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस नेताओं पर पानी की बौछारें, पुलिस से धक्का-मुक्की — पेज 5

बारिश ने ड्रॉ कराया ब्रिसबेन टेस्ट — पेज 7

असम और भूटान ने आर्थिक सहयोग एवं क्षेत्रीय विकास के लिए नए रास्ते बनाए

सीएम ने भारतीय दूतावास का दौरा किया, भूटान के पीएम से भी बातचीत की

थिम्पू /गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भूटान में एक महत्वपूर्ण राजनयिक मिशन का समापन किया, जो दोनों पड़ोसी क्षेत्रों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण क्षण था। अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान, शर्मा ने भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और प्रधान मंत्री दाशो शेरिंग तोबगे के साथ उच्च स्तरीय चर्चा की, जिसमें आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय विकास को गहरा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। थिम्पू के ताशिचोजोंग स्थित स्वर्ण सिंहासन कक्ष में एक ऐतिहासिक बैठक में शर्मा और भूटानी नरेश ने संपर्क और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए रणनीतिक पहलों पर चर्चा की। चर्चा का मुख्य बिंदु गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी था, जो एक दूरदर्शी परियोजना है, जिसके क्षेत्र के लिए परिवर्तनकारी आर्थिक निहितार्थ होने की उम्मीद है। असम सरकार ने इस महत्वपूर्ण विकास का समर्थन करने के लिए आपसी सहयोग के अवसरों की खोज में गहरी रुचि व्यक्त की। चर्चा में आपसी हितों के व्यापक दायरे को शामिल किया गया, जिसमें व्यापार साझेदारी, लोगों के बीच संपर्क और बुनियादी ढांचे का विकास शामिल था। शर्मा ने सात स्थापित व्यापार मार्गों के माध्यम से असम और भूटान के बीच ऐतिहासिक संपर्क पर प्रकाश डाला, तथा दोनों क्षेत्रों के बीच दीर्घकालिक आर्थिक संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने भूटानी नेतृत्व को भारत-भूटान सीमा पर व्यापारिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए असम की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया तथा बेहतर वाणिज्यिक संपर्क को सुविधाजनक बनाने के लिए अतिरिक्त व्यापार मार्गों के निर्माण का प्रस्ताव रखा। प्रधानमंत्री तोबगे के साथ अपनी बैठक के दौरान, शर्मा ने व्यापार साझेदारी को मजबूत करने और आपसी हितों के मामलों को संबोधित करने के लिए रास्ते तलाशे। मुख्यमंत्री ने असम की विकासात्मक पहलों, विशेष रूप से असोम माला परियोजना का प्रदर्शन किया, जिसका उद्देश्य सड़क संपर्क में सुधार करना है, जिसमें कोकराझार-गेलेफू मार्ग पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह राजनयिक -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने मंत्रियों से राजनीतिक टिप्पणियों और साक्षात्कारों से बचने का आग्रह किया

गुवाहाटी। विकास और शासन पर ध्यान केंद्रित रखने के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंत्रियों को राजनीतिक टिप्पणी करने या राजनीतिक साक्षात्कारों में भाग लेने से बचने की सलाह दी है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी निर्देश में सामाजिक-आर्थिक विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया और मंत्रियों से चल रही पहलों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया गया। आदेश में कहा गया कि सरकार सामाजिक-आर्थिक विकास के महत्वाकांक्षी एजेंडे को जोरदार तरीके से आगे बढ़ा रही है। 12 दिवसीय विकास कार्यक्रम के बाद जल्द ही नागरिक-केंद्रित हस्तक्षेप और पहल की जाएगी। इन प्रयासों के मद्देनजर, ध्यान केंद्रित रखना और ध्यान भटकाने से बचना महत्वपूर्ण है। निर्देश में उन उदाहरणों पर प्रकाश डाला गया जहां मंत्रियों के राजनीतिक -शेष पृष्ठ दो पर

पिछले सात वर्षों में 18,714 किमी. राजमार्ग बनाया गया : गडकरी

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतमाला परियोजना के तहत 31 अक्तूबर तक कुल 26,425 किलोमीटर की लंबाई वाली राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है और 18,714 किलोमीटर का निर्माण किया जा चुका है। यह जानकारी केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी। गडकरी ने कहा कि केंद्र सरकार ने 2017 में भारतमाला परियोजना को मंजूरी दी थी, जिसके -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश ने अल्फा प्रमुख की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदला

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश हाई कोर्ट ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन अल्फा के प्रमुख परेश बरुआ को आज बड़ी राहत प्रदान की। हाई कोर्ट ने बरुआ की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया। साथ ही चट्टोग्राम हथियार तस्करी मामले में पूर्व गृह राज्यमंत्री लुत्फोजामन बाबर और उनके पांच साथियों को बरी कर दिया। यह केस 10 ट्रकों में भरकर भारत विरोधी आतंकवादी संगठनों को भेजे जा रहे हथियारों और गोला-बारूद से जुड़ा हुआ है। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

चतुरंगणी सेना (हाथी, घोड़े, रथ और पैदल) होने पर भी इंद्रियों के वश में रहने वाला राजा नष्ट हो जाता है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

बीकानेर में तोप अभ्यास के दौरान फटा बम, दो सैनिकों की मौत

बीकानेर। बीकानेर के महाजन थाना क्षेत्र में स्थित सेना की फील्ड फायरिंग रेंज में बुधवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां युद्धाभ्यास के दौरान अचानक बम फट गया, जिससे दो सैनिकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल सैनिक को इलाज के लिए सूरतगढ़ के मिलिट्री अस्पताल में -शेष पृष्ठ दो पर

आतंकी पन्नू ने रूस और भारतीय राजदूत को दी धमकी

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के प्रमुख गुरपतवंत पन्नू ने एक बार फिर अपनी उकसाने वाली हरकतों से सुर्खियां बटोरी हैं। पन्नू ने अब रूस पर बेबुनियाद आरोप लगाते हुए कहा है कि खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में रूस की भूमिका थी। उसने दावा किया है कि रूस ने कनाडा स्थित अपने दूतावास -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस के प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले, एक की मौत

गुवाहाटी (हि.स.)। कांग्रेस के एक देश-एक चुनाव, स्मार्ट मीटर वापस लेने और मणिपुर में शांति बहाल करने की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस के आंसू गैस की चपेट में आने से और धक्का-मुक्की में एक प्रदर्शनकारी अधिवक्ता की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस ने सरकार के प्रतिआक्रोश व्यक्त किया है। बुधवार को कांग्रेस ने भाजपा के *एक देश एक चुनाव* के साथ असम में स्मार्ट मीटर वापस लेने और मणिपुर में शांति बहाल करने की मांग को लेकर *राजभवन चलो* आयोजित किया था। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनावपूर्ण स्थिति बन गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस -शेष पृष्ठ दो पर

एक देश-एक चुनाव का बिल भेजा गया जेपीसी के पास

नई दिल्ली। *एक देश-एक चुनाव* की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए केंद्र सरकार ने विपक्षी दलों के भारी विरोध के बीच इससे संबंधित संविधान का 129 वां संशोधन विधेयक और इससे जुड़ा एक अन्य विधेयक मंगलवार को लोकसभा में पेश किया। तब विपक्ष ने इस बिल को तानाशाही करार देते हुए बिल को संविधान संशोधन विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने की मांग की। केंद्र सरकार ने संविधान संशोधन के लिए दो तिहाई बहुमत जुटाने की चुनौती और विपक्ष की मांग के मद्देनजर दोनों विधेयकों को जेपीसी में भेजने पर हामी भर दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब बिल मंत्रिमंडल में चर्चा के लिए आया था, तभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे जेपीसी भेजने की बात कही। अब दोनों विधेयक - संविधान का 129वां संशोधन और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन बिल जेपीसी को भेजे जाएंगे। सवाल ये है कि संसद का मौजूदा सत्र 20 दिसंबर तक है। ऐसे -शेष पृष्ठ दो पर

प्रियंका गांधी भी होंगी कमेटी का हिस्सा

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वन नेशन-वन इलेक्शन बिल पर बनी जेपीसी का हिस्सा हो सकती हैं। सूत्रों के मुताबिक, उनके साथ कांग्रेस के मनीष तिवारी, सुखदेव भगत और रणदीप सुरजेवाला भी जेपीसी में शामिल हो सकते हैं। आपको बता दें कि मंगलवार को लोकसभा में एक देश-एक चुनाव से जुड़ा बिल संसद में पेश किया गया था। लेकिन फिर इसे जेपीसी को भेज दिया गया। विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधते हुए बिल को संघीय ढांचे की मूल भावना के खिलाफ बताया था। -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय में बांग्लादेश सीमा पर दिखा यूएवी, भारत ने बढ़ाई निगरानी

नई दिल्ली (हि.स.)। बांग्लादेश सीमा पर मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) के देखे जाने के बाद मेघालय पुलिस की ओर से सतर्क किए जाने पर वायु सेना ने अपनी निगरानी गतिविधि बढ़ा दी है। राज्य के पूर्वी खासी हिल्स जिले के सोहरा और शेला के पास बेराकटार टीबी-2 मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) के देखे जाने के बाद भारतीय राडार और लड़ाकू विमान नियमित रूप से इन पर नजर रख रहे हैं। मेघालय सीमा के बहुत नजदीक एक -शेष पृष्ठ दो पर

गेटवे ऑफ इंडिया के पास समुद्र में पलटी नांव, 13 की मौत, 101 को बचाया गया

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया के पास बुधवार को बड़ा हादसा हुआ। गेटवे ऑफ इंडिया के पास से दो नावें एलीफेंटा की ओर जा रही थीं, तभी इनमें से एक नाव नेवी की नाव से टकरा गई। टक्कर लगते ही इनमें से नाव समुद्र में पलटने लगी। इस नाव में चालक दल सहित 85 यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही नौसेना, जेएनपीटी, तटरक्षक बल, पुलिस और स्थानीय मछुआरों की नौकाओं की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। रेस्क्यू टीम ने नाव में सवार 80 लोगों को बाहर निकाला, जबकि पांच लापता हैं। अभी इनकी तलाश की जा रही है। हादसे में अभी तक 13 यात्रियों की मौत हुई है। वहीं बचाए गए लोगों में से भी तीन की मौत -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा में एलन मस्क ने तोड़ी चुप्पी, बोले-

भारत में स्टारलिंक सेवाएं उपलब्ध ही नहीं

वाशिंगटन। स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क ने कहा है कि भारत में फिलहाल स्टारलिंक सैटेलाइट बीम्स असक्रिय हैं। यह बयान तब आया जब मणिपुर में हिंसा प्रभावित इलाकों में स्टारलिंक डिवाइस के कथित उपयोग का दावा किया गया था। 16 दिसंबर को मणिपुर के इंफाल ईस्ट जिले के केइराओ खुन्नौ में सुरक्षा बलों ने छापेमारी के दौरान इंटरनेट डिवाइस, हथियार और गोला-बारूद जब्त किए। भारतीय सेना की स्पीयर कोर्प्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जब्त सामान की तस्वीरें साझा कीं। -शेष पृष्ठ दो पर

सदी की सबसे बड़ी खोज, रूस ने बनाई कैंसर की वैक्सीन

पुतिन सरकार ने कहा- 2025 से नागरिकों को मुफ्त लगाएंगे

मॉस्को। रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर आंद्रेई कप्रीन ने बुधवार को रेडियो पर कैंसर वैक्सीन बनाने का ऐलान किया। रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि हमने कैंसर की वैक्सीन बनाने में सफलता हासिल कर ली है। इसकी जानकारी रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर आंद्रेई कप्रीन ने रेडियो पर दी। रूसी न्यूज एजेंसी टीएएसएस के मुताबिक, इस वैक्सीन को अगले साल से रूस के नागरिकों को फ्री में लगाया जाएगा। डायरेक्टर आंद्रेई ने बताया कि रूस ने कैंसर के खिलाफ अपनी एमआरएनए वैक्सीन विकसित कर ली है। रूस की इस खोज को सदी की सबसे बड़ी खोज माना जा रहा है। वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल से पता चला है कि इससे ट्यूमर के विकास को रोकने में मदद मिलती है। इससे पहले इस साल की शुरुआत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बताया था कि रूस कैंसर की वैक्सीन बनाने के बेहद करीब है। क्या होती है एमआरएनए वैक्सीन एमआरएनए या मैसेंजर-आरएनए इंसानों के जेनेटिक कोड का एक छोटा सा हिस्सा -शेष पृष्ठ दो पर

डोभाल ने चीनी विदेश मंत्री के साथ अहम मुद्दों पर की चर्चा

बीजिंग। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति बनाए रखने तथा पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के कारण चार वर्ष से अधिक समय से तल्ख रहे द्विपक्षीय संबंधों को बहाल करने समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बुधवार को यहां मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद दोनों देशों के रिश्ते में एक नया अध्याय शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे डोभाल पांच साल के अंतराल के बाद हो रही विशेष प्रतिनिधियों की 23वें दौर की वार्ता में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को यहां पहुंचे। पिछली बैठक 2019 में दिल्ली में हुई थी। वार्ता चीन के समयानुसार सुबह 10 बजे प्रारंभ हुई। इस दौरान पूर्वी लद्दाख से सैनिकों की वापसी और गश्त को लेकर दोनों देशों के बीच 21 अक्तूबर को हुए समझौते के बाद द्विपक्षीय संबंधों को बहाल करने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा होने की -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

उत्तराखंड में जनवरी से लागू होगी यूसीसी, सभी तैयारियां पूरी

देहरादून (हि.स.)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में जनवरी 2025 से समान नागरिक संहिता लागू होगी। समान नागरिक संहिता राज्य को संविधानिक दृष्टि से मजबूत बनाने के साथ-साथ सामाजिक और न्यायिक व्यवस्था में भी महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी। इस दिशा में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उत्तराखंड यह कानून लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा। मुख्यमंत्री धामी बुधवार को सचिवालय में आयोजित उत्तराखंड निवेश और आधारिक संरचना विकास बोर्ड (यूआईआईडीबी) की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने धामी ने कहा कि राज्य सरकार अपने संकल्प के अनुसार समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने बताया कि मार्च 2022 में नई सरकार बनने के बाद मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही इस संबंध में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था, जिसका नेतृत्व सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई ने किया था। समिति की रिपोर्ट के आधार पर 7 फरवरी, 2024 को राज्य विधानसभा से समान नागरिक संहिता विधेयक 2024 पारित किया गया, जिसे राष्ट्रपति की सहमति मिलने के बाद 12 मार्च 2024 को अधिसूचित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार ने अब इस कानून की नियमावली भी तैयार कर ली है और सभी अधिकारियों को इस संहिता के प्रावधान लागू करने के लिए प्रशिक्षण देने का निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि जनसामान्य को सुगमता से सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए एक पोर्टल और मोबाइल एप भी विकसित किया गया है, जो पंजीकरण व अपील जैसी सुविधाएं ऑनलाइन प्रदान करेगा।

आंबेडकर मुद्दे पर अमित शाह का पलटवार, कहा-

तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर पेश कर रही है कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि उनकी बातों और तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर जनता के सामने पेश किया जा रहा है, यह निंदनीय है। उन्होंने कहा कि कल से कांग्रेस ने फिर एक बार अपनी पुरानी पद्धति को अपनाकर, बातों को तोड़-मरोड़कर और सत्य को असत्य के कपड़े पहनाकर समाज में भ्रांति फैलाने का एक कुत्सित प्रयास किया है। संसद में चर्चा के दौरान ये सिद्ध हो गया कि बाबा साहेब आंबेडकर का कांग्रेस ने किस तरह से पुरजोर विरोध किया था। बाबा साहेब के न रहने के बाद भी किस प्रकार से कांग्रेस ने उन्हें हाशिये पर धकेलने का प्रयास किया। राज्यसभा में संविधान के 75 साल की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह के बयान को लेकर विपक्ष हमलावर है। इसके जवाब में अमित शाह ने भाजपा मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर सिलसिलेवार तरीके से सारे तथ्य मीडिया के सामने रखे। उन्होंने कहा कि संसदीय चर्चा के दौरान यह बात सामने आई कि कांग्रेस डॉ. बी.आर. आंबेडकर के खिलाफ थी। उनके निधन के बाद कांग्रेस ने उन्हें हाशिए पर धकेलने की कोशिश की। जब संविधान समिति ने अपना काम पूरा कर लिया और 1951-52 और 1955 में चुनाव हुए तो कांग्रेस ने उन्हें चुनाव में हराने के लिए कई कदम उठाए। जहां तक भारत रत्न देने का सवाल है, कांग्रेस के नेताओं ने कई बार खुद ही अपने आप को भारत रत्न दिए हैं। 1955 में नेहरू ने खुद को भारत रत्न दे दिया, 1971 में इंदिरा गांधी ने खुद को भारत रत्न दे दिया। इसके विपरीत बाबा साहेब को भारत रत्न 1990 में तब मिला जब कांग्रेस सत्ता में नहीं थी और भाजपा के समर्थन वाली सरकार थी। 1990 तक कांग्रेस बाबा साहेब को भारत रत्न न मिले, इसके लिए प्रयास करती रही। यहां तक कि बाबा साहेब की 100वीं जयंती को मनाने की मनाही कर दी गई। अमित शाह ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू की आंबेडकर के प्रति नफरत जगजाहिर है। इसका प्रमाण नेहरू की किताब में है। बाबा साहेब के स्मारक बनाने की बात जब आई तो उन्होंने इसे निजी पहल से बनवाने की बात कही। लेकिन नेहरू, इंदिरा, राजीव गांधी के अपने लाखों स्मारक बनाने वाले मुखिया कहते हैं कि बीआर आंबेडकर का स्मारक बनाने के लिए निजी पहल की दरकार है।

No.EE/MSL-11/NIT/2017-18/ *Date 17/12/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders affixing a non-refundable Court fee Stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & paise twenty five) only with a validity period of 180 (one hundred eighty) days, which will subsequently to be converted and drawn up in the printed F-2 form are invited from the registered Contractors of Class-III and above category under PWD (Roads Department Assam and Bodoland Territorial Council) according to their eligibilty for submitting tenders for the work as stated below. The tenders will be recieved by the undersigned up to 2.00PM on 26/12/2024 and will be opened on the same date & place at 2.15 P.M.

Sl. No.	Name of work	Approximate Tender Value	(Earnest Money Deposit)	Cost of Tender Paper	Time of Completion of work
1	2	3	4	5	6
1	Repairing of Tamulpur Goreswar road to Tamulpur Commerce College via Brahma Mandir from Ch. 0.00m to Ch. 790.00m	Rs. 8,40,000.00	(2% for Gen) & (1% for Reserved Category)	Rs. 300.00	2 (two) Month from the date of issue of F.W.O.

Details NIT may be seen in all working days in the office of the undersigned. Tender paper will be issued to the contractor or their authorized agent up to 4.30 PM on all working days on 20/12/2024 & 21/12/2024 in the office of the undersigned on submission an application with payment in the form of Bank Draft duly pledged to the undersigned. The Contractors has to submit 2% in case of General and 1% in case of Reserved category as earnest money in the form of FDR/CDR/BC under any Nationalised Bank duly pledged in favour of the undersigned at the time of submission of Tender paper.

N. B. : -

1. Date of receiving application for Tender documents : - 20/12/2024 & 21/12/2024.
2. Date of issue of Tender Paper : - 23/12/2024 (up to 4.30 PM)
3. Date of receiving of Tender Paper 26/12/2024 (up to 2.00 PM)
4. Date of opening of Tender Paper 26/12/2024 (at 2.15 PM)
5. Place of opening Tender Paper : - Office of the E.E, PWD Mushalpur (R&B) Division, Mushalpur.

Sd/- Executive Engineer,
Mushalpur PWD (R&B) Division,
Mushalpur

IPR(BTC)-2023-24/1129

दो चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की गोरचुक पुलिस ने चोरी के मामले में शामिल दो चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र इलाके में चलाएं गए अभियान के दौरान चोरी के एक लैपटॉप समेत दो चोरों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार चोरों की पहचान मोहम्मद मैदुल खान (25, गोरचुक) और मोहम्मद मिजानुर अली (25, बरपेटा) के रूप में की गई है। उधर ग्वालपाड़ा जिले के कृष्णाई इलाके से पुलिस ने मोबाइल चोरी मामले में शामिल एक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान कृष्णाई के खरिधरा इलाके से एक मोबाइल चोर को गिरफ्तार किया गया है।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विकास को संतुलित करना जरूरी : लोस अध्यक्ष

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए विकास और सततता के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। वे संसद भवन परिसर में 2023-25 बैच के भारतीय वन सेवा के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए आयोजित *पार्लियामेंट्री प्रोसेस और प्रोसिजर्स* कोर्स के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत मिशन लाइफ जलवायु परिवर्तन चुनौती से निपटने में सबसे आगे है। बिरला ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति का आदर किया जाता है, जहां हम पेड़ों की पूजा करते हैं और पृथ्वी को अपनी मां मानते हैं। इस गहरे सम्मान ने हमारे पर्यावरण संरक्षण की नीतियों और प्रथाओं को आकार दिया है। उन्होंने कहा कि यह दृष्टिकोण वन क्षेत्र और पर्यावरण पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि संसद में वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरणीय असंतुलन पर नियमित रूप से चर्चा होती है। लोकसभा अध्यक्ष ने युवा अधिकारियों से यह भी कहा कि वे संसद में पारित कानूनों का अध्ययन करें और उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहें। साथ ही यह सलाह भी दी कि वन उत्पादों का वैज्ञानिक तरीके से उपयोग किया जाए और उचित मूल्य पर बेचा जाए।

कलियाबर के हाटबर में तेल टैंकर दुर्घटनाग्रस्त

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के कलियाबर के हाटबर में एक तेल से भरा टैंकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि टैंकर ने नियंत्रण खो दिया और राष्ट्रीय राजमार्ग से नीचे खाई में गिर गया। दुर्घटना हाटबर के नाहर चौक इलाके में हुई। घटना के बाद से ही टैंकर से तेल का रिसाव हो रहा था। दुर्घटनाग्रस्त टैंकर (एएस- 01क्यूसी-0638) से फिलहाल, सारा तेल खाली कर लिया गया है।

पृष्ठ एक का शेष

असम और भूटान ...

यात्रा भूटान के 117वें राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर हुई, जो 1907 में देश के प्रथम राजा उग्येन वांगचुक के राज्याभिषेक की याद में मनाया गया था। शर्मा ने राष्ट्रीय समारोह में भाग लिया और भूटान की ऐतिहासिक विरासत के प्रति एकजुटता और सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने भारत और भूटान के बीच सभ्यतागत बंधन पर जोर दिया और भविष्य में सहयोगात्मक विकास के बारे में आशा व्यक्त की। भूटान की यात्रा के लिए आमंत्रित असम के पहले मुख्यमंत्री के रूप में, शर्मा ने भूटान की राजधानी में एक रणनीतिक रोड शो में भी भाग लिया, जिसमें राज्य के आगामी निवेश शिखर सम्मेलन का पूर्वावलोकन किया गया। इस कार्यक्रम में भूटान नरेश और प्रधानमंत्री दोनों ने भाग लिया, जिससे कूटनीतिक भागीदारी का महत्व रेखांकित हुआ। यह यात्रा भारत-भूटान संबंधों में एक आशाजनक अध्याय है, जिसमें पारस्परिक आर्थिक विकास, बेहतर संपर्क और मजबूत क्षेत्रीय सहयोग पर स्पष्ट ध्यान दिया गया है। दोनों पक्षों ने अपनी साझी विरासत का लाभ उठाने तथा सहयोगात्मक विकास के लिए नवीन मार्ग तलाशने की प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। उधर मुख्यमंत्री शर्मा ने थिम्पू में भारतीय दूतावास का दौरा किया और प्रधान मंत्री शेरिंग टोबगे से मुलाकात की। अपनी पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा के साथ सीएम ने इंडिया हाउस में भूटान के पीएम और उनकी पत्नी ताशी डोमा के साथ क्वालिटी टाइम बिताया। उन्हें ईशा फाउंडेशन के प्रसिद्ध आध्यात्मिक नेता जगदीश वासुदेव (सद्गुरु) से मिलने का भी अवसर मिला। थिम्पू में इंडिया हाउस में, एचसीएम डॉ. @हिमंतविश्व और @rinikibsharma ने महामहिम @tsheringtobgay और महामहिम ताशी डोमा के साथ कुछ समय बिताया। एचसीएम ने प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु श्री @SadguruJV से भी मुलाकात की। भूटान में भारत के राजदूत महामहिम @SudhakarDalela और उनकी पत्नी श्रीमती। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक्स पर पोस्ट किया कि नम्रता दलेला भी बैठक में शामिल हुईं। मैंने भूटान में भारतीय दूतावास का दौरा किया और भारत और भूटान के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए टीम द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य की सराहना की। साथ ही अच्छी बातचीत भी हुई। शर्मा ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि मेरी यात्रा के दौरान आदरणीय @SadhguruJV जी के साथ बातचीत हुई। प्रसिद्ध शिक्षक अरुण कपूर, जिन्हें भूटान सरकार द्वारा अपने राष्ट्रीय दिवस पर सम्मानित किया गया था, ने भी विभिन्न शैक्षिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सीएम से मुलाकात की। अरुण कपूर, सार्वजनिक और निजी शिक्षा के वैश्विक क्षेत्रों में चार दशकों से अधिक के अनुभव वाले एक प्रसिद्ध शिक्षक ने आज इंडिया हाउस, थिम्पू में एचसीएम डॉ. @हिमंताविश्व से मुलाकात की। एचसीएम ने उन्हें प्रतिष्ठित रेड स्कार्फ, *बुरा मार्प* से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी। सीएमओ ने पोस्ट किया कि कल महामहिम द्वारा 117वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग लिया गया और हाशिए पर पड़े लोगों के लिए उनकी पहल की सराहना की गई। सीएम ने दिन में भूटान के प्रमुख आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र सिमटोखा द्ज़ोंग का भी दौरा किया। शर्मा ने कहा कि भूटान के एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र सिमटोखा द्ज़ोंग में प्रार्थना करके धन्य महसूस किया। मुख्यमंत्री मंगलवार को हिमालयी देश के राष्ट्रीय दिवस में भाग लेने के लिए राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के निमंत्रण पर भूटान की यात्रा पर हैं।

मुख्यमंत्री ने मंत्रियों ...

बयानों या मीडिया की उकसावेबाजी पर प्रतिक्रियाओं ने अनावश्यक विवाद पैदा किया और विकासात्मक गतिविधियों से जनता का ध्यान भटकाया। यह देखा गया है कि कुछ मंत्री मीडिया से बातचीत करते समय राजनीतिक टिप्पणी करते हैं या राजनीतिक मुद्दों पर प्रतिक्रिया देते हैं, जिससे विवाद पैदा होता है। मीडिया के कुछ वर्ग मंत्रियों को सनसनीखेज टिप्पणियां करने के लिए उकसाते हैं, जिससे शासन और विकास पर ध्यान केंद्रित नहीं हो पाता। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों से मीडिया से बातचीत को केवल विकासात्मक गतिविधियों पर केंद्रित करने और राजनीतिक उकसावे पर प्रतिक्रिया देने से बचने का आग्रह किया। बयान के अंत में असम के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को बदलने के लिए सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए एकीकृत प्रयास का आह्वान किया गया, ताकि इसके नागरिकों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

पिछले सात वर्षों में ...

अंतर्गत देश में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने और लॉजिस्टिक लागत को कम करने के लिए 34,800 किलोमीटर की लंबाई शामिल है। उन्होंने कहा कि भारतमाला परियोजना के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को राज्यवार निधि का आवंटन नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा, भारतमाला परियोजना के तहत एनएचएआई द्वारा किया गया कुल व्यय 30.11.2024 तक 4.72 लाख करोड़ रुपये है। अब तक 424 किलोमीटर लंबाई वाली 18 परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है और बंदरगाह एवं तटीय संपर्क सड़क श्रेणी के अंतर्गत 189 किलोमीटर का निर्माण किया जा चुका है। भारतमाला योजना के अंतर्गत परिकल्पित विभिन्न परियोजनाएं गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न तटीय राज्यों में विभिन्न प्रमुख व छोटे बंदरगाहों को संपर्क प्रदान कर रही हैं।

बांग्लादेश ने अल्फा...

जस्टिस मुस्तफा जमां इस्लाम और जस्टिस नसरीन अख्तर की पीठ ने यह फैसला सुनाया। पूर्व गृह राज्यमंत्री लुत्फोजामन बाबर और उनके साथियों को निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। वर्ष 2004 में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी की सरकार के दौरान हथियारों का यह बड़ा जखीरा जब्त किया गया था। लुत्फोजामन बाबर 2001 से 2006 तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री खालिदा जिया की सरकार में गृह राज्य मंत्री थे। हाई कोर्ट ने यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) के सैन्य विंग कमांडर परेश बरुआ की मौत की सजा को आजीवन कारावास और छह दोषियों की मौत की सजा को 10 साल की सजा बदल दिया। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा खुफिया प्रमुख अब्दुर रहीम को मामले से छूट प्रदान कर दी। हाई कोर्ट में राज्य का प्रतिनिधित्व उप अटॉर्नी जनरल सुल्ताना अख्तर रूबी और सहायक अटॉर्नी जनरल मोहम्मद आसिफ इमरान जीसन ने किया। 30 जनवरी, 2014 को, चटगांव मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश एसएम मुजीबुर रहमान ने विशेष अधिकार अधिनियम के तहत 14 लोगों को मौत की सजा सुनाई थी। इन लोगों में जमात-ए-इस्लामी के पूर्व प्रमुख मोतिउर रहमान निजामी, पूर्व गृह राज्यमंत्री बाबर, अल्फा के परेश बरुआ, डीजीएफआई के पूर्व निदेशक मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) रेज्जाकुल हैदर चौधरी और एनएसआई के पूर्व महानिदेशक अब्दुर रहीम प्रमुख हैं। इन दोषियों में से मोतिउर रहमान निजामी को मानवता के खिलाफ अपराध के लिए 2016 में फांसी दी गई थी।

कांग्रेस के प्रदर्शनकारियों ...

छोड़ी और हल्का बल प्रयोग किया। पुलिस के साथ प्रदर्शनकारियों की हुई धक्का-मुक्की और आंसू गैस के गोले लगने से अधिवक्ता मृदुल इस्लाम घायल हो गए। घायल मृदुल को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) ले जाया गया, लेकिन वहां उनकी मौत हो गई। इस घटना में कई पत्रकार भी घायल हुए हैं। घायलों को जीएमसीएच में भर्ती कराया गया। मृतक अधिवक्ता मृदुल इस्लाम दक्षिण कामरूप के सोनतली के निवासी थे और वे कांग्रेस लीगल सेल से जुड़े थे। मृदुल की सात और तीन वर्षीय दो पुत्रियां हैं। घटना के संबंध में असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने कहा है कि पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर आंसू गैस का इस्तेमाल किया, जिसके चलते लोगों की आंखों से पानी निकलने लगा। यह मुख्यमंत्री का अहंकार है। भूपेन बोरा ने आज की घटना को लेकर सरकार की निंदा की। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पुलिस में एक प्राथमिकी दर्ज करायी जाएगी।

एक देश-एक चुनाव ...

में संसद के इस सत्र में बिल पास नहीं होंगे। संयुक्त संसदीय समिति की मंजूरी मिलने के बाद अगर बिल संसद में बिना परिवर्तन पास हो गए तो यह कब तक अमल आएगा? संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य शामिल होंगे। किस पार्टी के कितने सदस्य होंगे, यह संख्या संसद में पार्टियों की ताकत के हिसाब से तय होगी। ऐसे में सबसे बड़ी पार्टी होने से सबसे ज्यादा सदस्य और अध्यक्ष भाजपा से हो सकता है। एक देश-एक चुनाव से संबंधित आठ पेज के इस बिल में जेपीसी को अच्छा खासा होमवर्क करना होगा। संविधान के तीन अनुच्छेदों में परिवर्तन करने और एक नया प्रावधान जोड़ने की पेशकश की गई है। दरअसल, अनुच्छेद 82 में नया प्रावधान जोड़कर राष्ट्रपति द्वारा अपॉइंटेड तारीख पर फैसले की बात कही गई है। बता दें कि अनुच्छेद 82 जनगणना के बाद परिसीमन के बारे में है। संविधान का 129वां संशोधन और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयकों को अंतिम रूप देने में करीब-करीब पूरा 2025 लग सकता है।

प्रियंका गांधी भी ...

संसद परिसर में मीडिया से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने बिल को अंसवैधानिक बताया था। उन्होंने कहा था कि यह संघीय ढांचे के खिलाफ है और हम इसका विरोध करते हैं। केंद्र सरकार वन नेशन-वन इलेक्शन बिल पर विपक्ष के साथ सहमति बनाना चाहती है। यही वजह है कि बिल को चर्चा के लिए जेपीसी के पास भेजा गया है। लोकसभा में बिल को पेश करने के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग हुई। इस दौरान बिल के पक्ष में 220 और विपक्ष में 149 वोट पड़े। विपक्ष के विरोध के बाद दोबारा पर्ची से मतदान कराया गया। इस बार बिल के पक्ष में 269 वोट और विपक्ष में 198 वोट पड़े थे। संविधान संशोधन बिल के लिए संसद में दो तिहाई बहुमत की जरूरत पड़ती है। अभी लोकसभा में 543 सांसद हैं। ऐसे में बिल को पास कराने के लिए 362 सांसदों के समर्थन की जरूरत पड़ेगी। लेकिन एनडीए के पास महज 292 सीटें हैं। वहीं राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत के लिए 164 सांसदों की जरूरत होगी। यहां भी एनडीए के पास 112 सांसद ही हैं।

मेघालय में बांग्लादेश...

बांग्लादेशी ड्रोन के देखे जाने के बाद निर्देश दिए गए हैं कि भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने पर बांग्लादेशी यूएवी को मार गिराया जाएगा। भारत-बांग्लादेश सीमा के पास पिछले हफ्ते में कई बार टीबी-2 यूएवी देखे जा रहे हैं। बांग्लादेश में छतक और सुनामगंज के आस-पास के इलाकों में यूएवी उड़ते हुए पाए गए। इसके अलावा सीमा के पास मेघालय राज्य के पूर्वी खासी हिल्स जिले के सोहरा और शेला के पास बेराकटार टीबी-2 मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) को उड़ते हुए देखा गया है। हालांकि, यूएवी से भारतीय सीमा में आधिकारिक तौर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है, लेकिन सीमा पर तैनात बीएसएफ ने इस बारे में मेघालय सरकार को जानकारी दी। बीएसएफ का मानना है कि यूएवी की तैनाती बांग्लादेश में अशांति के बीच घरेलू स्तर पर अपनी ताकत दिखाने का प्रयास हो सकता है। बांग्लादेश ने इस साल की शुरुआत में अपने सैन्य आधुनिकीकरण प्रयासों के तहत यह ड्रोन हासिल किए थे। बांग्लादेश के तेजगांव एयरबेस से एक यूएवी संचालित किया गया था, जिसका ट्रांसपोंडर कोड टीबी2आर1071 था। तुर्की कंपनी बायकर ने बेराकटार टीबी-2 यूएवी को विकसित किया है, जिसे निगरानी और सटीक हमला मिशनों में अपनी दोहरी क्षमताओं के लिए जाना जाता है। ये यूएवी 300 किमी. की परिचालन सीमा और 27 घंटे की धीरज के साथ अपनी तरह के सबसे उन्नत में से हैं। सीमा पर टीबी-2 यूएवी देखे जाने की जानकारी मिलने पर मेघालय पुलिस के महानिदेशक इदाशीशा नोंग्रांग ने इस घटना के बारे में भारतीय वायु सेना को भी अवगत कराया।

गेटवे ऑफ इंडिया ...

हो गई, जबकि दो की हालत गंभीर है। बता दें कि गेट ऑफ इंडिया को देखने के लिए हर दिन हजारों पर्यटक मुंबई आते हैं। भारत के प्रथम द्वार कहे जाने वाले गेट ऑफ इंडिया को देखने के बाद कुछ पर्यटक एलीफेंटा गुफाओं को देखने के लिए भी जाते हैं। एलीफेंटा तक पहुंचने के लिए पर्यटकों को नाव से यात्रा करनी पड़ती है। बुधवार दोपहर पर्यटकों से भरी दो नावें एलीफेंटा की ओर जा रही थीं। इन दोनों नावों में से एक नौसैनिक (नेवी) नाव से टकरा गई और समुद्र में पटलने लगी। पलटी नाव का नाम नीलकमल है। इस नाव में चालक सहित 85 यात्री सवार थे। बीएमसी ने बताया कि उरण, कारंजा इलाके में नाव पलट गई। नौसेना, जेएनपीटी, तटरक्षक बल, पुलिस और स्थानीय मछुआरों की नौकाओं की मदद से बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। हादसे की जांच भी का जा रही है। नाव में चालक दल समेत कुल 85 यात्री सवार थे। अब तक 80 लोगों को बचा लिया गया है और 5 लोग लापता हैं। अस्पताल में भर्ती पांच लोगों की हालत गंभीर थी, जबकि 13 यात्रियों की मौत हो चुकी है। नीलकमल बोट के मालिक राजेंद्र परते ने बताया कि नेवी की स्पीड बोट आई। उसने नाव को टक्कर मारी। वहीं हादसे की जानकारी मिलते ही इलाके की अन्य नावें मौके पर पहुंच गईं। उन्होंने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। हादसे को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने कहा कि खबर मिली है कि एलिफेंटा जा रही नीलकमल नाव दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। तत्काल सहायता के लिए नौसेना, तटरक्षक बल, बंदरगाह, पुलिस टीमों की नौकाएं भेजी गई हैं। हम जिला एवं पुलिस प्रशासन से लगातार संपर्क में हैं। सौभाग्य से नाव पर सवार अधिकांश लोगों को बचा लिया गया है। हालांकि, बचाव कार्य अभी भी जारी है।

भारत में स्टारलिंक ...

इनमें एक डिवाइस पर *स्टारलिंक* का लोगो नजर आया, जिसने इंटरनेट पर बहस छेड़ दी। सुरक्षा बलों ने बयान में कहा कि विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर, भारतीय सेना और असम राइफल्स ने मणिपुर के चुराचांदपुर, चंदेल, इंफाल ईस्ट और कांगपोकपी जिलों में संयुक्त अभियान चलाया। इसमें 29 हथियार, स्नाइपर, स्वचालित बंदूकें, राइफल, पिस्तौल, ग्रेनेड और अन्य युद्ध सामग्री बरामद की गई। एक सोशल मीडिया यूजर ने तस्वीरें देखते हुए लिखा कि स्टारलिंक डिवाइस आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल हो रही हैं। उम्मीद है कि एलन मस्क इसका समाधान करेंगे। इस पर मस्क ने प्रतिक्रिया देते हुए साफ कहा कि यह गलत है। भारत में स्टारलिंक सैटेलाइट बीम्स बंद हैं। एलन मस्क ने अपने बयान से यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत में फिलहाल स्टारलिंक सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि, मणिपुर में डिवाइस पाए जाने के दावों ने सोशल मीडिया पर एक नई बहस शुरू कर दी है। स्टारलिंक की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा को भारत में अभी तक सरकारी स्वीकृति नहीं मिली है। इसके बावजूद, कंपनी की तकनीक को लेकर पहले भी कई बार विवाद हो चुका है। सरकार ने स्टारलिंक से बिना अनुमति सेवाएं बेचने और एडवांस बुकिंग लेने पर रोक लगाई थी। सुरक्षा एजेंसियां अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही हैं।

सदी की सबसे बड़ी...

है, जो हमारी सेल्स (कोशिकाओं) में प्रोटीन बनाती है। इसे आसान भाषा में ऐसे भी समझ सकते हैं कि जब हमारे शरीर पर कोई वायरस या बैक्टीरिया हमला करता है तो एमआरएनए टेक्नोलॉजी हमारी सेल्स को उस वायरस या बैक्टीरिया से लड़ने के लिए प्रोटीन बनाने का मैसेज भेजती है। इससे हमारे इम्यून सिस्टम को जो जरूरी प्रोटीन चाहिए, वो मिल जाता है और हमारे शरीर में एंटीबॉडी बन जाती है। इसका सबसे बड़ा फायदा ये है कि इससे कन्वेंशनल वैक्सीन के मुकाबले ज्यादा जल्दी वैक्सीन बन सकती है। इसके साथ ही इससे शरीर की इम्यूनिटी भी मजबूत होती है। एमआरएनए टेक्नोलॉजी पर आधारित यह कैंसर की पहली वैक्सीन है। कैंसर होने से पहले नहीं बल्कि बाद में दी जाती है वैक्सीन कैंसर स्पेशलिस्ट एमडी मौरी मार्कमैन का कहना है कि कैंसर की वैक्सीन बनाना बायोलॉजिकल तौर पर असंभव है। कैंसर के लिए कोई टीका नहीं हो सकता क्योंकि कैंसर कोई बीमारी नहीं है। यह शरीर में हजारों अलग-अलग स्थितियों का परिणाम है। फिर भी वैक्सीन कुछ कैंसरों की रोकथाम में जरूरी रोल निभाती है। ये वैक्सीन कैंसर रोगियों को उपचार के दौरान सुरक्षा देने में जरूरी टूल हैं। क्योंकि कैंसर मरीज को इलाज के दौरान दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। कैंसर वैक्सीन की खास बात यह है कि यह कभी कैंसर होने से पहले नहीं दी जाती है, बल्कि यह उन लोगों को दी जाती है जिन्हें कैंसर ट्यूमर है। यह वैक्सीन हमारे इम्यून सिस्टम को यह पहचानने में मदद करती है कि कैंसर सेल्स कैसी दिखती है।

डोभाल ने चीनी ...

उम्मीद है। चीन ने इस महत्वपूर्ण वार्ता से पहले मंगलवार को कहा कि वह 24 अक्तूबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर रूस के कजान में हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की बैठक के दौरान बनी आम सहमति के आधार पर प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने के लिए तैयार है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने एक संवाददाता सम्मेलन में विशेष प्रतिनिधि वार्ता के बारे में पूछे जाने पर कहा कि चीन मतभेदों को सुलझाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि चीन दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी अहम आम सहमति को साकार करने, वार्ता और संचार के माध्यम से आपसी विश्वास एवं भरोसा बढ़ाने, अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने तथा द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ एवं सतत तरीके से आगे बढ़ाने के मकसद से भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार है। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा था कि दोनों विशेष प्रतिनिधि सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द को बनाए रखने पर चर्चा करेंगे और सीमा से जुड़े मुद्दे का निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान तलाशेंगे। मोदी और शी की इस बैठक के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष ने ब्राजील में जी-20 शिखर सम्मेलन के इतर मुलाकात की थी। इसके बाद चीन-भारत सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की बैठक हुई। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैन्य गतिरोध मई 2020 में शुरू हुआ और उसी साल जून में गलवान घाटी में घातक झड़प हुई, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पड़ोसियों के बीच संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया था।

बीकानेर में तोप ...

भर्ती कराया गया है। यह हादसा महाजन फील्ड फायरिंग रेंज के नॉर्थ कैंप में हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, युद्धाभ्यास के दौरान किसी तकनीकी खामी या गलती के कारण बम फट गया। इस दुर्घटना में दो जवानों की जान चली गई और एक जवान बुरी तरह घायल हुआ। घटना की सूचना मिलते ही सेना के उच्च अधिकारी और महाजन थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पूरे क्षेत्र को सील कर दिया गया और हादसे की जांच शुरू कर दी गई है। इस हादसे को लेकर सुरक्षा प्रोटोकॉल और उपकरणों की जांच पर सवाल उठ रहे हैं। गौरतलब है कि महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में यह दूसरा बड़ा हादसा है। इससे पहले भी एक जवान की जान जा चुकी है। इस बार भी हादसा इतना गंभीर था कि सेना के अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभालना पड़ा। इस घटना के बाद, सेना और पुलिस विभाग ने मामले की पूरी जांच शुरू कर दी है ताकि हादसे के कारणों का पता लगाया जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जा सकें।

आतंकी पन्नू ने ...

से निज्जर के टेलीग्राम अकाउंट को हैक किया और उसकी जानकारी भारत को दी। एसएफजे ने भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा और कनाडा में रूसी राजदूत ओलेग स्टेपानोव पर हमला करने की धमकी दी है। पन्नू ने कहा है कि जो भी इन राजदूतों की लोकेशन बताएगा, उसे 25,000 का इनाम दिया जाएगा। यह धमकी पन्नू की घृणित सोच और उसकी आतंकी मंशा को दर्शाती है। अमेरिका ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी सरकार अपने देश में सभी राजनयिक और कांसुलर कर्मियों की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह बयान इस बात का प्रमाण है कि अमेरिका ऐसी धमकियों को बर्दाश्त नहीं करेगा और भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। पन्नू की यह नई हरकत रूस को बेवजह निशाना बनाने की कोशिश है। विश्लेषकों का मानना है कि पन्नू और उसके खालिस्तानी समर्थक अब अपने अस्तित्व को बचाने के लिए हर संभव झूठ का सहारा ले रहे हैं। उनका भारत विरोधी रुख अब पर्याप्त नहीं है। इसलिए उन्होंने रूस को भी अपने षड्यंत्र का हिस्सा बना लिया है। पन्नू की यह हरकत स्पष्ट रूप से भारत और रूस के मजबूत रिश्तों को कमजोर करने की कोशिश है।

असम के 12 वर्षीय दिशांत बोरठाकुर का मुंबई सिटी एफसी अंडर 13 टीम में चयन

गुवाहाटी (हिंस)। असम के निवासी एवं मुंबई में अध्ययनरत 12 वर्षीय प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिशांत बोरठाकुर ने भारत के शीर्ष फुटबॉल क्लबों में से एक मुंबई सिटी एफसी की अंडर 13 टीम में जगह बनाई है। दिशांत की इस उपलब्धि परउनके परिजनों के साथ उनके इलाके लोगों में हर्ष की लहर दौड़ गई है। फुटबॉल के मैदान पर दिशांत बाएं पैर के राइट विंगर के रूप में खेलते हैं, ड्रिब्लिंग, शूटिंग और लंबे पास देने में उत्कृष्ट हैं। उनका तकनीकी गेमप्ले, अविश्वसनीय बॉल सेंस और बॉडी कंट्रोल उन्हें एक बेहतरीन खिलाड़ी बनाता है। दिशांत पिछले दो सालों से सॉकरस्टार्ज फुटबॉल क्लब के साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं और उन्हें उनके स्कूल के कोच का भी मार्गदर्शन प्राप्त है, जिसने उनकी प्रसिद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दिशांत अब आई-लीग और विभिन्न एमएफए (मुंबई फुटबॉल एसोसिएशन) मैचों में मुंबई सिटी एफसी का प्रतिनिधित्व करेंगे। बचपन से ही एक उत्साही एथलीट दिशांत ने 5 साल की उम्र में फुटबॉल खेलना शुरू कर दिया था। उनके दृढ़संकल्प, फोकस और उल्लेखनीय कौशल से दिशांत ने क्रिकेट में भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, जबकि उनके टेनिस स्ट्रोक ने उन्हें इंटरसिटी टूर्नामेंट में कई पुरस्कार दिलाए हैं। दीशांत वर्तमान में मुंबई के मैनादेवी बजाज इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा 7 में अध्ययनरत हैं और वे एक अच्छे पियानोवादक भी हैं। मुंबई के गोरेगांव के सौरव बोरठाकुर और तृष्णा गोस्वामी के सबसे बड़े बेटे दिशांत की जड़ें असम के गीतानगर, गुवाहाटी से जुड़ी हैं। उनके छोटे भाई दिव्यान को भी फुटबॉल का शौक है।

जैश-ए-मोहम्मद से कथित संबंध के आरोप में आठ लोग गिरफ्तार

कोकराझाड़(विभास)। जिहादियों के खिलाफ एसटीएफ ने जोरशोर से राज्यभर में तलाशी अभियान चला रही है। इसी कड़ी में जेहादी आतंकी संगठन जैश-एक-मोहम्मद से शामिल होने के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया किया गया है। जैश-ए-मोहम्मद से कथित संबंध होने का संदेह में गिरफ्तार किए गए सभी लोगों को अपने कब्जे ले लेकर पूछताछ कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार एसटीएफ नें गुप्त सूचना के आधार पर एक अभियान चलाकर कोकराझाड़ और धुबड़ी जिले के विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किए गए। कोकराझाड़ जिले में असम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) द्वारा एक बड़ा अभियान चलाया गया। संदिग्ध जिहादी से संपर्क के संबंध में गिरफ्तारियां की गईं। कोकराझाड़ जिले के जयपुर और खाचीपारा,

भोटगांव और भदियागुड़ी इलाकों में अभियान चलाया गया, जिसमें आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया। उनमें से पांच को एसटीएफ ने हिरासत में ले लिया है। गिरफ्तार किए गए सभी को एसटीएफ गुवाहाटी ले जाए गए। कोकराझाड़ में गिरफ्तार किए गए लोगों में हकीम अली मंडल, हबीजुर अली, मजनू शेख, अमीदुल शेख, नूर इस्लाम, मुजीबुर रहमान और अब्दुल करीम शामिल हैं। वहीं दूसरी और धुबड़ी जिले में एसटीएफ नें बीती रात एक अन्य अभियान चलाकर इनामुल हक को गिरफ्तार किया है।

कोकराझाड़ जिला प्रशासन मनाएगा सुशासन सप्ताह

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिला प्रशासन राज्यव्यापी पहल के साथ तालमेल बिठाते हुए 19 से 24 दिसंबर, 2024 तक सुशासन सप्ताह (जीजीडब्ल्यू) मनाएगा। यह सप्ताह सेवा वितरण में सुधार और जन शिकायतों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने पर केंद्रित होगा। इस अवधि के दौरान, कोकराझाड़ जिले के अंतर्गत सभी राजस्व सर्किल कार्यालय, ब्लॉक विकास कार्यालय और डीसी कार्यालय के पीएफसी शिकायत निवारण केंद्र के रूप में कार्य करेंगे। नागरिकों को सेवा वितरण से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए इन केंद्रों पर जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अधिक पहुंच के लिए, शिकायतों को ऑनलाइन जमा करने का विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है। सीपीजीआरएएमएस में दर्ज शिकायतों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए कोकराझाड़ जिला प्रशासन द्वारा सक्रिय उपाय शुरू किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक सेवा वितरण में दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए सुशासन पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

चार शातिर बाइक चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की गोरचुक पुलिस ने बाइक चोरी मामले में शामिल चार अंतर्राज्यीय बाइक चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान दो बाइक चोरों को थाना क्षेत्र इलाके से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार बाइक चोर की पहचान अंकूर राभा (20 उदालगुड़ी) और सवमसर बसुमतारी (29 बाक्सा) के रूप में की गई है। गिरफ्तार दोनों बाइक चोर के निशानदेही पर मेघालय पुलिस की मदद से मेघालय के उमसिंग से दो अन्य बाइक चोरों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार बाइक चोरों की पहचान इशान मावनाई (20) और संजय सिंह (32) गिरफ्तार दोनों चोर उमसिंग के रहने वाले है। मेघालय से गिरफ्तार किए गए दोनों चोर चोरी की बाइक को खरीदा करते थे। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार चोरों से सघन पूछताछ कर रही है।

पांच वाहन चोर चढ़े पुलिस के हत्थे

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में सक्रिय पांच वाहन चोरों को क्राइम ब्रांच की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच से बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार क्राइम ब्रांच की एक टीम ने वाहन चोरों के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। जो शहर में सक्रिय रूप से वाहन चोरी कर रहे थे। वाहन चोरी मामले में पांच चोरों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार वाहन चोरों की पहचान बाक्सा के जुनमोनी डेका उर्फ बोल्टू, नलबाड़ी के राजू दास, कमरपारा के राजू डेका, नलबाड़ी के मोंटू बर्मन, नूनमाटी के जयंत हालोई के रूप में की गई हैं। क्राइम ब्रांच थाने में घटना के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

विप्रो फाउंडेशन की सभा में कई प्रस्वाव पारित किए गए

गुवाहाटी (विभास)। परशुराम सेवा सदन, छत्रीबाड़ी में विप्र फाउंडेशन गुवाहाटी चैप्टर की सभा हुई। जिसमें सचिव द्वारा विगत कार्यक्रमों का ब्यौरा पेश किया गया तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। विप्र फाउंडेशन असम जोन-8 और गुवाहाटी चैप्टर के सौजन्य से जल्द ही एक हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन गुवाहाटी के आईटीए, माछखोवा में किया जाएगा। इस कार्यक्रम हेतु एक संयोजक टीम का गठन किया गया। जिसमें मुख्य संयोजक रामनिरंजन झिकनाड़िया, प्रतीक सोती तथा अमित पारीक को बनाया तथा सह-संयोजक प्रभात शर्मा, प्रदीप पारीक तथा रोहित खंडेलवाल को बनाया गया। कार्यक्रम हेतु संबंधित कार्यकारी समितियों का गठन शीघ्र ही किया जाएगा। सभा के दौरान ही आगामी फरवरी महीने में परशुराम कुंड की

यात्रा का कार्यक्रम भी तय किया गया, जिसके लिए समय और तारीख शीघ्र ही निश्चित की जाएगी। विप्र फाउंडेशन की गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष शिवकुमार पारीक ने कहा कि हम सभी विप्र बंधुओं से आपसी समन्वय बैठाकर आगे के कार्यक्रमों की रूपरेखा पर शीघ्र ही सर्व विप्र समाज के गणमान्य सज्जनों के साथ एक सभा रखेंगे।

बराक नदी में गिरी कार मां-बेटी की मौत

कछार(हिंस)। सिलचर थाना के अंतर्गत जयनगर में मंगलवार की देर रात बराक नदी में एक कार गिरने से एक बच्ची समेत दो लोगों की मौत हो गई है। बुधवार सुबह एसडीआरएफ के जवानों ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों के शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया है कि बुरीबेल जा रही एक का बीती रात लगभग 11:45 बजे सिलचर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के रायपुर, जयनगर में स्थित बराक नदी में गिर कर डूब गई। कार रोइस उद्दीन बरभुइयां (24, बोरखोला) चला रहे थे। कार के डूबने के दौरान रोइस बचने में सफल रहे, लेकिन उनकी पत्नी हेली बेगम बरभुइयां (21) और उनकी एक वर्षीय बेटी जन्नत बेगम बरभुइयां डूब गईं।

ग्वालपाड़ा के बरजुली वन क्षेत्र में जंगली हाथी का शव मिला

ग्वालपारा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के दहिक्ता संरक्षित वन क्षेत्र के अंतर्गत बरजुली वन क्षेत्र में आज जंगली हाथी का शव बरामद किया गया है। मादा हाथी का शव दुर्गंधमय अवस्था में मिला है। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। वन विभाग के अधिकारियों को संदेह है कि जंगली हाथी की मौत करीब एक सप्ताह पहले हुई है। हालांकि, हाथी की मौत किन वजहों से हुई है, इसका पता नहीं चल सका है। वन विभाग की टीम जांच में जुटी हुई है।

होजाई : योगभ्यास कार्यक्रम आयोजित

होजाई (निसं)। दक्षिण होजाई उच्च विद्यालय के यूथ एंड इको क्लाब के बैनर तले सोमवार को प्रात: 6.30 बजे से 8 बजे तक योगभ्यास कार्यक्रम का आयोजन नूतन बाजार स्थित *बिहूतुली* खेल मैदान में आयोजित किया गया जिसमें छात्र छात्राओं को योगाभ्यास के बारे में जानकारी देने हेतू खींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. नागेश्वर यादव को आमंत्रित किया गया था। डॉ. यादव ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को योगाभ्यास जीवन में क्यों जरूरी है। इस संदर्भ में अपने विचार रखे। उन्होंने बताया कि स्वस्थय शरीर में ही स्वस्थय मस्तिष्क का निवास होता है। अत: प्रत्येक विद्यार्थी को योगाभ्यास करना चाहिए। योग सुचारू जीवन जीने करी प्रेरणा देता है। सुबह से साथ तक हमारी दिनचयी कैसी होनी चाहिए तथा हमें क्या, कब, कैसे और कितना श्याना-पीना चाहिए इसका मुकम्मल जबाव योग ही देता है। डॉ. यादव ने आसन एवं प्राणायम कैसे करना चाहिए इसके बारे में बड़े सुंदर तरीके से उपस्थित छात्र व छात्रओं को समझाया। तत्पश्चात उन्होंने कई आसन जिसमें हलासन, मंडूकासन, पश्चिमोत्तासन, तुलासम, सर्वांगसन, कपालभाति, अनुलोम-विलोम और उज्जयणी प्रणायाम करके बच्चों को दिखाया। इस दौरान डॉ. यादव ने उपस्थित छात्र-छात्राओं से कहा कि सिर्फ एक दिन योगाभ्यास करने से शरीर स्वस्थय नहीं होगा। इसे अपने जीवन में निरंतर अपनाना होगा अंत में उन्होंने छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। उक्त योगाभ्यास कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेश चौहान, उपेन्दर सिंह, जितेन्दर यादव, मरोडोना प्रधानी, अंकुर ज्योति डेका ने पूर्ण सहयोग दिया।

लमडिंग रेलवे जंक्शन पर गांजा के साथ महिला सहित चार तस्कर गिरफ्तार

होजाई (हिंस)। लमडिंग रेलवे जंक्शन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की विशेष टीम, सीआईबी और रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने संयुक्त अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने ट्रेन से भारी मात्रा में गांजा बरामद करते हुए एक महिला समेत चार तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी 13174 डाउन अगरतला-शियालदह कंचनजंघा एक्सप्रेस से की गई। जानकारी के अनुसार, आरोपी अगरतला से बिहार गांजा तस्करी कर रहा था। रेलवे स्टेशन पर तलाशी के दौरान उनके पास से करीब 41 किलोग्राम प्रतिबंधित गांजा बरामद किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान शुभंकर सिंह, अरविंद यादव, कृष्ण कुमार और जूली कुमारी के रूप में हुई है। फिलहाल, रेलवे पुलिस ने सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

चिरांग जिले में कल्याणकारी योजनाओं के तहत वित्तीय लाभों का औपचारिक वितरण

विकसित भारत समाचार

चिरांग। बुधवार को चिरांग जिला परेड ग्राउंड में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम हुआ, जहां मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा द्वारा शुरू की गई *12 दिन के विकास* पहल के तहत विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत वित्तीय लाभों का औपचारिक वितरण किया गया। स्थानीय समुदाय को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में, पंचायत और ग्रामीण विकास, खाद्य और नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के मंत्री रंजीत कुमार दास ने माइक्रो फाइनेंस प्रोत्साहन और राहत योजना के तहत चिरांग जिले की 383 महिला लाभार्थियों को नो-ड्यूज सर्टिफिकेट वितरित किए। इस योजना का उद्देश्य महिलाओं पर वित्तीय बोझ को कम करना, उन्हें ऋण मुक्त बनाना और वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देना है। इसके अलावा, मंत्री दास ने हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित आठ परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान की, साथ

ही क्षेत्र में उद्यमियों और छोटे व्यवसायों का समर्थन करने वाली बीज पूंजी योजना के तहत 56 लाभार्थियों को भी सहायता प्रदान की। सभा को संबोधित करते हुए, मंत्री दास ने महिलाओं को ऋण-मुक्त बनाने की पहल के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने महिलाओं को सतत विकास और सशक्तिकरण के लिए ऋण राशि का बुद्धिमानी और कुशलता से उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। मंत्री दास ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा के नेतृत्व में, ये योजनाएं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए सशक्त बना रही हैं और अगर हमारी महिलाएं आत्मनिर्भर हैं, तो हम चिरांग जिले को आत्मनिर्भर बना सकते हैं, जो बदले में असम को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान देगा। बिजनी विधायक अजॉय कुमार रे ने महिलाओं को सशक्त बनाने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से योजनाओं को शुरू करने में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा के नेतृत्व पर प्रकाश डाला। चिरांग जिला आयुक्त जतिन बोरा ने कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा स्थानीय आबादी पर उनके प्रभाव और उनके दायरे के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें बीटीसी के उपाध्यक्ष अभिराम महानायक, एमसीएलए के प्रदीप कुमार बयान, भाजपा चिरांग जिला अध्यक्ष रतन रॉय और एडीसी फिरदौस आलम शेख तथा एडीसी जुगा कृष्ण राजवंशी सहित चिरांग जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

बाक्सा के बांसबाड़ी गांव में भीषण आगजनी

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा जिले के पूर्ब उजान बांसबाड़ी गांव में भीषण आग लगने की घटना हुई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गांव के कंदर्प दास नामक व्यक्ति के खपरैल के घर से आग की शुरुआत हुई। बताया जा रहा है कि कंदर्प दास की छोटी पोती ने गलती से खपरैल में आग लगा दी, जिससे पूरे घर में अफरातफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। गनीमत रही कि परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित बच गए। हालांकि, आग ने घर का सारा सामान जलाकर राख कर दिया। हादसे में कोई हतहत नहीं हुआ है।

कोकराझाड़ प्लेनेटेरियम ने ब्रह्मांड के अजूबों को देखने के लिए किया आह्वान

विकसित भारत समाचार

कोकराझार। कोकराझाड़ रिजर्व पुलिस के पास डिमलगांव में स्थित कोकराझाड़ प्लेनेटेरियम इस साल अगस्त से जनता के लिए खुला है। *ब्रह्मांड की जीवनी* थीम के तहत अपने आकर्षक शो के साथ, प्लेनेटेरियम ब्रह्मांड के रहस्यों के बारे में जानने के इच्छुक दर्शकों के लिए एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है। शो प्रतिदिन कई भाषाओं में आयोजित किए जाते हैं, जिससे विविध आगंतुकों के लिए पहुंच सुनिश्चित होती है। कार्यक्रम में सुबह 11.30 बजे अंग्रेजी, दोपहर 1 बजे और शाम 4. बजे असमिया और दोपहर 2.30 बजे हिंदी में शो शामिल हैं। ये प्रस्तुतियां ब्रह्मांड के माध्यम से एक आकर्षक यात्रा प्रदान करती हैं, जो इसे निवासियों और पर्यटकों के लिए समान रूप से देखने लायक जगह बनाती हैं। प्लेनेटेरियम सोमवार को बंद रहता है और हर महीने की 15 तारीख को नियमित अवकाश रहता है। टिकटों की कीमतें किफायती हैं, छात्रों के लिए 15 रुपए और आम जनता के लिए 30 रुपए, जिससे यह परिवारों और शैक्षिक समूहों के लिए सुलभ है।

पिकनिक से लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

बिश्वनाथ (हिंस)। सतिया के मगुरमारी गांव के ज्ञानज्योति फूकन बाइक की अपने दोस्त के साथ सिजो में पिकनिक मनाकर लौटते समय सड़क हादसे में मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि अपने दोस्त के साथ पिकनिक मनाकर घर लौटते समय बीती देर शाम इटाखोला में साइकिल से बाइक की टक्कर हो गई। जिसके चलते 20 वर्षीय ज्ञानज्योति की मौत हो गई। ज्ञानज्योति फूकन नतून साहित्य परिषद के उत्तर सतिया गीतकार केशव महंत सोवरनी शाखा के अध्यक्ष थे। नतून साहित्य परिषद की शोणितपुर जिला समिति के सचिव मृणाल गोस्वामी, शाखा सचिव ज्ञानेंद्र सरकार, सतिया शाखा के सचिव अंजन सैकिया, उत्तर सतिया शाखा के अध्यक्ष मृदुल हैंडिक ने ज्ञानज्योति फुकन के असामयिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

एसएसबी के 61वें स्थापना दिवस के अवसर पर कई भव्य कार्यक्रम आयोजित

रंगिया (विभास)। सशस्त्र सीमा बल के 61वें स्थापना दिवस के अवसर पर बुधवार को रंगिया के मोरानजना स्थित 24वीं वाहिनी द्वारा वाहिनी प्रागंण में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर सशस्त्र सीमा बल क्षेत्रक मुख्यालय, रंगिया के उप-महानिरीक्षक राजीव राणा भी उपस्थिति रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वप्रथम वाहिनी के उप-कमांडेंट कुमुद रंजन को गार्ड द्वारा सलामी देकर उन्हें सम्मान दिया गया । इस मौके पर उन्होंने सभी अधिकारीगण, जवानों और उनके परिवारजनों को 61वें स्थापना दिवस की बधाई दी तथा उज्जवल भविष्य की कामना की। इसके अलावा वाहिनी प्रांगण में विभिन्न सांस्कृतिक एवं खेलों का आयोजन किया गया जिसमें वाहिनी के जवानों, बच्चों और उनके परिवारजनों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इसका शुभारंभ उप-

महानिरीक्षक राजीव राणा द्वारा दीप प्रज्जवलित व केक काटकर किया गया। कार्यक्रम में उप-कमांडेंट कुमुद रंजन, विश्वनाथ मिश्रा और अश्वनी कुमार शुक्ला सहित अन्य कई अधिकारी और बलकर्मी और उनके परिवारजन उपस्थित रहे। उप-महानिरीक्षक राजीव राणा ने उपस्थित सभी अधिकारीगण, जवानों और उनके परिवारजनों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य के लिए कामना की। अंत में उप कमांडेंट कुमुद रंजन ने उप-महानिरीक्षक एवं अन्य अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया और आश्वासन दिया कि बल की 24वीं वाहिनी, रंगिया पूर्वानुसार भविष्य में भी बल की गरिमा को बनाए रखेगी एवं देश व बल के उज्जवल भविष्य हेतु निरंतर संपूर्ण प्रयत्न करती रहेगी।

संपादकीय

तबले ने खोया उस्ताद

तबले ने अपना उस्ताद खो दिया। तबले की एक खास ध्वनि, थाप, ताल खामोश हो गई। एक बिछौना सूना हो गया और एक आत्मा बिछुड़ कर, सुदूर, किसी शून्य में विलीन हो गई। तबले का जीवंत रिश्ता आज मुरझा गया। बहुत कुछ बिखर कर रह गया। चार ग्रैमी अवार्ड, तीन पद्म सम्मान, अमरीकी राष्ट्रपति के 'व्हाइट हाउस' में थाप, ताल और थिरकन का प्रदर्शन, चार पीढ़ियों के शास्त्रीय संगीत को लयात्मक संगत देने की असंख्य यादें अनाथ, अकेली हो गईं। तबले को नई-नई भाषाएं देने वाला और किसी भी ताल, थाप में अचानक 'तिहाई' मारने वाला उस्ताद आज थम गया, खामोश हो गया, मानो एक दुनिया 'शांत' हो गई हो! तबला-वादन के उस्ताद जाकिर हुसैन ने अपने वाद्य को उसी तरह जिया, जिस तरह पंडित रविशंकर ने सितार को, पंडित जसराज ने शास्त्रीय गायन को, पंडित हरिप्रसाद चौरसिया ने बांसुरी को, पंडित शिवकुमार शर्मा ने संतूर को, उस्ताद अमजद अली ने सरोद और उसके संगीत को जिया। जाकिर अकेले, अलबेले, अद्भुत तबला-उस्ताद थे, जिन्होंने इन उस्तादों के संगीत को लयात्मक पूरकता दी। जाकिर एक वाद्य-यंत्र के उस्ताद ही नहीं, कोई अवतार लगते थे, लिहाजा मात्र तीन साल की उम्र में ही तबले पर थाप लगाने और उंगलियों की थिरकन की जादुई शुरुआत की। इस उम्र में तो बच्चे नाक साफ करना भी नहीं सीख पाते। उस्ताद के पिता अल्ला रक्खा खां खुद 'उस्ताद तबला वादक' थे और जाकिर ने उनके साथ कई जुगलबंदियां पेश की थीं, लेकिन 'नन्हा उस्ताद' अपनी समकालीन, पुरानी पीढ़ियों और उनके समय के बहुत पार चला गया। जाकिर ने संगीत के सहायक वाद्य को मुख्य वाद्य बना दिया, नतीजतन आज दुनिया भर में तबले की 'खास पहचान और प्रतिष्ठा' है। जाकिर तबले के पर्याय बन चुके हैं, लेकिन भीतर से एक दुखद, पीड़ित 'आह' निकलती है- उस्ताद जाकिर हुसैन...! बेशक उस्ताद 73 साल की उम्र में ही हमें छोड़ कर चले गए, उनका पार्थिव शरीर 'मिट्टी' हो गया, वह 'सुपुर्द-ए-खाक' हो गए, लेकिन तबला-वादन की जो लंबी विरासत, संगीत की खूबसूरती, तबले की कला की एक सुदीर्घ परंपरा और यादों की लंबी कडियां छोड़ गए हैं, उन्हें 'मृत' कैसे माना जा सकता है? संगीत के पंडित, महाराज और उस्ताद, अपने-अपने कालखंडों में, उतने लोकप्रिय नहीं हो पाए, जितनी जन-स्वीकृति और मान्यता उस्ताद जाकिर हुसैन ने हासिल की। उन्होंने तबले को भी जन-जन का वाद्य यंत्र बना दिया। घर-घर और दफ्तरों में आम आदमी जब किसी सतह पर थाप देने लगता है, तो उसे तुरंत जाकिर हुसैन से जोड़ दिया जाता है। हालांकि वह व्यंग्य की भाषा होती है, लेकिन तुलना जाकिर हुसैन से ही की जाती है। बेशक एक लंबे अंतराल से उस्ताद अमरीका में ही बसे रहे, लेकिन वह आखिरी सांस तक हिंदुस्तान और हिंदुस्तानी संगीत को ही जीते रहे। आज दुनिया भर के कलाकार, उनके समकालीन गायक और वाद्य बजाने वाले भी उन्हें याद कर रहे हैं। असंख्य संस्मरण उनके साथ जुड़े हैं। बहरहाल आज वह हमारे बीच जीवंत नहीं हैं, लेकिन जिन गायनों के साथ उन्होंने तबले की थाप, ताल पर संगत दी थी, वे हमें हमेशा याद दिलाते रहेंगे। उस्ताद जीवंत रूप में हमारे बीच होंगे, लिहाजा कलाकार कभी मरा नहीं करते।

चार ग्रैमी अवार्ड, तीन पद्म सम्मान, अमरीकी राष्ट्रपति के 'व्हाइट हाउस' में थाप, ताल और थिरकन का प्रदर्शन, चार पीढ़ियों के शास्त्रीय संगीत को लयात्मक संगत देने की असंख्य यादें अनाथ, अकेली हो गईं। तबले को नई-नई भाषाएं देने वाला और किसी भी ताल, थाप में अचानक 'तिहाई' मारने वाला उस्ताद आज थम गया, खामोश हो गया, मानो एक दुनिया 'शांत' हो गई हो! तबला-वादन के उस्ताद जाकिर हुसैन ने अपने वाद्य को उसी तरह जिया, जिस तरह पंडित रविशंकर ने सितार को, पंडित जसराज ने शास्त्रीय गायन को, पंडित हरिप्रसाद चौरसिया ने बांसुरी को, पंडित शिवकुमार शर्मा ने संतूर को, उस्ताद अमजद अली ने सरोद और उसके संगीत को जिया। जाकिर अकेले, अलबेले, अद्भुत तबला-उस्ताद थे, जिन्होंने इन उस्तादों के संगीत को लयात्मक पूरकता दी। जाकिर एक वाद्य-यंत्र के उस्ताद ही नहीं, कोई अवतार लगते थे, लिहाजा मात्र तीन साल की उम्र में ही तबले पर थाप लगाने और उंगलियों की थिरकन की जादुई शुरुआत की। इस उम्र में तो बच्चे नाक साफ करना भी नहीं सीख पाते।

भारत की आध्यात्मिक विरासत की जीवंत अभिव्यक्ति को देखने के लिए आकर्षित करेगा

प्रयागराज महाकुंभ मेला 2025 के सामाजिक-सांस्कृतिक मायने को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

हिंदू पौराणिक कथाओं में वर्णित यह पवित्र त्योहार बारह वर्षों में चार बार मनाया जाता है, जो भारत के चार प्रतिष्ठित शहरों हरिद्वार, उज्जैन, नासिक एवं प्रयागराज में बहने वाली सबसे पवित्र नदियों, गंगा, शिप्रा और गोदावरी के बीच घूमता है। कहना न होगा कि इनमें से प्रत्येक शहर सबसे पवित्र नदियों गंगा, शिप्रा, गोदावरी और खासकर प्रयागराज (पूर्वनाम इलाहाबाद) गंगा, यमुना एवं पौराणिक सरस्वती के संगम के किनारे स्थित हैं।

दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम के रूप में मनाया जाने वाला महाकुंभ मेला सनातनी आस्था, संस्कृति और प्राचीन परंपरा का अद्भुत और बेमिसाल मिश्रण है। हिंदू पौराणिक कथाओं में वर्णित यह पवित्र त्योहार बारह वर्षों में चार बार मनाया जाता है, जो भारत के चार प्रतिष्ठित शहरों हरिद्वार, उज्जैन, नासिक एवं प्रयागराज में बहने वाली सबसे पवित्र नदियों, गंगा, शिप्रा और गोदावरी के बीच घूमता है। कहना न होगा कि इनमें से प्रत्येक शहर सबसे पवित्र नदियों गंगा, शिप्रा, गोदावरी और खासकर प्रयागराज (पूर्वनाम इलाहाबाद) गंगा, यमुना एवं पौराणिक सरस्वती के संगम के किनारे स्थित हैं। आगामी 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज एक बार फिर इस शानदार उत्सव का केंद्र बन जाएगा, जो लाखों तीर्थयात्रियों और आगंतुकों को भक्ति, एकता और भारत की आध्यात्मिक विरासत की जीवंत अभिव्यक्ति को देखने के लिए आकर्षित करेगा। इसलिए इसके राजनीतिक प्रभावों से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। इस मौके पर यदि हमारा नेतृत्व संवैधानिक राज के साथ-साथ सनातनी राज जैसी जनभावनाओं का भी बीजारोपण करे, तो यह भारत भूमि/आसेतु हिमालय के लिए बहुत बड़ा उपकार होगा। क्योंकि हमारी धर्मनिरपेक्ष नीतियां हीं हमारे बन्धु-बांधवों के दमन और उत्पीड़न की पर्याय बनती जा रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि आसेतु हिमालयी देशों में हिन्दू जनमानस प्रताड़ति हो रहा है और हमारे नागा साधु भी इस स्थिति से उन्हें निजात नहीं दिलवा पा रहे हैं। भारत सरकार भी स्पष्ट और आक्रामक नीति से बच रही है, क्योंकि उसकी धर्मनिरपेक्षता ने हिन्दू उत्पीड़न को अघोषित गारंटी प्रदान करती जा रही है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है। इस पर हमारे साधु-संतों को गम्भीर होना होगा और धर्मनिरपेक्ष सरकार पर दबाव बनाना होगा। विश्व जनमानस पर भी इसका दबाव पड़े, यह चिंतन व अभिव्यक्ति शैली भी हमें विकसित करनी होगी। अतिक्रमित हिन्दू मंदिरों के पुनरुद्धार का मसला भी यहां उठना चाहिए, ताकि सबके बीच एक सकारात्मक संदेश जाए। इतिहास के पापों के प्रक्षालन का और कोई विकल्प नहीं हो सकता है। इसके अलावा, और भी मुद्दे हैं, जिन पर इसी बहाने एक सकारात्मक बहस छिड़नी चाहिए। वैसे तो इस भव्य आयोजन में धार्मिक अनुष्ठानों से परे खगोल विज्ञान, ज्योतिष, सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराओं और आध्यात्मिक ज्ञान का समृद्ध मिश्रण शामिल है। क्योंकि इस अवसर पर लाखों भक्त, तपस्वी

और तपस्वी त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान सहित पवित्र अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए एकत्र होते हैं। इसलिए सनातनी हितों के सवाल पर भी यहां मौखिक विमर्श शुरू होना चाहिए। यहां आने वाले लोग सनातन धर्म के कट्टर अनुयायी होते हैं, इसलिए सनातनी संवेदनाओं को समझते उन्हें देर नहीं लगेगी। जब वो समझेंगे, तभी औरों को भी समझा पाएंगे।यह पुण्य कार्य होगा। यहां आने वाले भक्तों का भी मानना है कि महाकुंभ स्नान से उनके पाप धुल जाते हैं और उन्हें आध्यात्मिक मुक्ति मिलती है। इस प्रकार महाकुंभ मेला न केवल भारत की गहरी जड़ें जमा चुकी विरासत का प्रतिनिधित्व करता है बल्कि आंतरिक शांति, आत्म-बोध और सामूहिक एकता की शाश्वत मानवीय खोज को भी प्रदर्शित करता है।

शाही स्नानः महाकुंभ मेला अनुष्ठानों का एक भव्य आयोजन है, इन सभी में स्नान सबसे महत्वपूर्ण है। त्रिवेणी संगम पर आयोजित इस पवित्र समागम में भाग लेने के लिए लाखों तीर्थयात्री एकत्रित होते हैं, जो इसमें विश्वास रखते हैं कि पवित्र जल में डुबकी लगाने से व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो सकता है। माना जाता है कि शुद्धिकरण का यह कार्य व्यक्ति और उनके पूर्वजों दोनों को पुनर्जन्म के चक्र से मुक्त कर देता है, जिससे अंततः मोक्ष या आध्यात्मिक मुक्ति मिलती है।

स्नान अनुष्ठान के साथ-साथ तीर्थयात्री पवित्र नदी के किनारे पूजा-पाठ में भी शामिल होते हैं और साधुओं एवं संतों के नेतृत्व में ज्ञानवर्धक प्रवचनों में भाग लेते हैं, जिससे जीवन के अनुभव में आध्यात्मिक गहराई जुड़ जाती है। वैसे तो पूरे प्रयागराज महाकुंभ के दौरान पवित्र जल में डुबकी लगाना पवित्र माना जाता है, लेकिन कुछ तिथियां विशेष महत्व रखती हैं, जैसे पौष पूर्णिमा (13 जनवरी), मकर संक्रांति (14 जनवरी) आदि। इन तिथियों पर संतों, उनके शिष्यों और विभिन्न अखाड़ों (आध्यात्मिक क्रम में) के सदस्यों के साथ भव्य जुलूस निकलते हैं, जो शाही स्नान या 'राजयोगी स्नान' के नाम से जाने जाने वाले भव्य अनुष्ठान में भाग लेते हैं। यह महाकुंभ मेले की आधिकारिक शुरुआत का प्रतीक है और इस आयोजन का मुख्य आकर्षण है। शाही स्नान की परंपरा इस विश्वास पर आधारित है कि जो लोग अनुष्ठान में भाग लेते हैं उन्हें पवित्र जल में डुबकी लगाने पर पुण्य कर्मों का आशीर्वाद मिलता है और उनसे पहले आए संतों का गहन ज्ञान प्राप्त होता है।

आरतीः नदी के किनारों पर मंत्रमुग्ध कर देने वाला गंगा आरती समागम में आए लोगों के लिए एक अविस्मरणीय क्षण होता है। इस पवित्र अनुष्ठान के दौरान पुजारी जगमगाते दीपक पकड़कर दृश्य अभिनय प्रस्तुत करते हुए कठिन धर्मक्रिया करते हैं। गंगा आरती हजारों भक्तों को आकर्षित करती है, जिससे पवित्र नदी के प्रति गहरी भक्ति और श्रद्धा जागृत होती है।

कल्पवासः कल्पवास महाकुंभ उत्सव का एक गहरा लेकिन कम ज्ञात पहलू है, जो साधकों को आध्यात्मिक अनुशासन, तपस्या और उच्च चेतना के लिए समर्पित एक अनुष्ठान प्रदान करता है। संस्कृत से उत्पन्न 'कल्प' का अर्थ है ब्रह्मांडीय युग और 'वास का अर्थ है निवास, जो गहन आध्यात्मिक अभ्यास की अवधि का प्रतीक है। कल्पवास में भाग लेने वाले तीर्थयात्री सादगी का जीवन अपनाते हैं, सांसारिक सुख-सुविधाओं का त्याग करते हैं और ध्यान, प्रार्थना और धर्मग्रंथ अध्ययन जैसे दैनिक अनुष्ठानों में व्यस्त रहते हैं। कल्पवास में वैदिक यज्ञ और होम, पवित्र अग्नि अनुष्ठान जो दिव्य आशीर्वाद का आह्वान करते हैं और सत्संग, बौद्धिक एवं भक्ति विकास के लिए आध्यात्मिक प्रवचन भी शामिल हैं।

प्रार्थना और अर्पणः माना जाता है कि श्रद्धालु कुंभ के दौरान संगम पर आने वाले देवताओं के सम्मान में देव पूजन करते हैं। श्राद्ध (पूर्वजों को भोजन और प्रार्थना करना) और वेणी दान (गंगा में बाल चढ़ाना) जैसे अनुष्ठान त्योहार के अभिन्न अंग हैं, जो समर्पण और शुद्धि का प्रतीक हैं। सत्संग या सत्य के साथ जुड़ना एक और मुख्य अभ्यास है जहां भक्त संतों और विद्वानों के प्रवचन सुनते हैं। ज्ञान का यह आदान-प्रदान आध्यात्मिकता की गहरी समझ को बढ़ावा देता है और उपस्थित लोगों को उच्च आत्म-साक्षात्कार के लिए प्रेरित करता है। कुंभ के दौरान परोपकार का बहुत महत्व होता है।

दृष्टि कोण

शीत ऋतु की ठिठुरन का एहसास करें

ऋतु परिवर्तनशील है। भारत में छह ऋतु पाई जाती हैं- बसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शीत, हेमंत और शिशिर ऋतु। भारत ही एक ऐसा देश है जहां छह ऋतुओं को अनुभव करने का आनंद प्राप्त होता है और यह आनंद केवल उत्तरी भारत में ही प्राप्त हो सकता है। अन्य अधिकतर देशों में केवल चार ऋतुएं ही पाई जाती हैं। बसंत, ग्रीष्म, वर्षा और शरद ऋतु। यहां हम केवल शरद ऋतु का ही वर्णन करेंगे। भारतीय वैदिक कैलेंडर के अनुसार भारत का नव वर्ष चैत्र मास से मनाया जाता है। ब्रह्मा जी ने इसी समय सृष्टि की रचना की थी। चैत्र मास में बसंत ऋतु आती है और वाक्देवी माता सरस्वती जी ने भी बसंत पंचमी के दिन अपनी वीणा की झंकार से सृष्टि को वाक शक्ति दी थी जिससे प्रत्येक वस्तु को शब्द ध्वनि प्राप्त हुई थी। चैत्र मास के बाद ही अन्य ग्यारह महीने अलग-अलग ऋतुओं के संग अठखेलियां करके बीतते हैं। इन्हीं महीनों के अनुसार कौनसी ऋतु किस-किस महीने आती है- 1.बसंत ऋतु- चैत्र से वैशाख महीना। फरवरी से मार्च। 2.ग्रीष्म ऋतु-ज्येष्ठ से आषाढ़। मार्च से जून। 3.वर्षा ऋतु- सावन से भाद्रपद। जुलाई से सितंबर। 4.शरद ऋतु- आश्विन से कार्तिक। अक्टूबर से नवंबर। 5.हेमंत ऋतु- मार्गशीर्ष से पौष। दिसंबर से जनवरी। 6.शिशिर ऋतु- माघ से फाल्गुन। जनवरी से फरवरी। भारत के उत्तरी भाग में अक्टूबर से शरद ऋतु अपना खूब असर दिखाने लगती है। लोग गर्म कपड़े पहनना आरंभ कर देते हैं। परंतु समतल इलाके जैसे पंजाब-हरियाणा में इन्हीं दिनों कम सर्दी होती है और अक्टूबर के अंत में धीरे-धीरे बढ़ती है। इसके विपरीत पर्वतीय क्षेत्रों में ठंड अधिक रहती है और पर्वत की चोटियों में बर्फ गिरने के कारण चलने वाली शीत लहरें समतल क्षेत्र में अपने गुणों का अधिक प्रभाव दिखाती हैं। इसके कारण बहुत से जीव-जंतु सर्दी से बचने के लिए शीत निद्रा में चले जाते हैं, जैसे- सांप, मेंढक, चींटियां, छिपकलियां, गिलहरियां, खरगोश, जंगली चूहे, गोह, किरले, भालू, और भी ठंडे इलाके में रहने वाले जीव-जंतु। हेमंत ऋतु- यह दिसंबर से जनवरी तक रहती है। इस समय सर्दी अपनी चरम सीमा पर होती है। सर्दी से बचने के लिए लोग अनेक उपाय करते हैं। शरीर गर्म कपड़ों से अधिक भरा रहता है। सिर से पांव तक गर्म कपड़ों से लदे रहते हैं। सडक़ों पर जगह-जगह पर लोग आग जलाकर ताप रहे होते हैं। घरों में भी लोग हीटर, ब्लोअर तथा गर्म पानी की बोतलों का प्रयोग करते हैं। बर्फीले इलाकों में जहां लंबे समय तक बर्फ रहती है, वहां के लोग सर्दी आने से पहले ही लकड़ी व अनाज का भंडारण कर लेते हैं तथा बकरे के मीट को बड़ी मात्रा में सुखा कर रख लेते हैं। वे एक बड़े कमरे में तंदूर जलाकर तापमान को बढ़ा लेते हैं और तंदूर पर खाना भी बना लेते हैं। यहां के मकान ईंट-सीमेंट के नहीं होते हैं क्योंकि ऐसे मकान अधिक ठंडे होने के साथ-साथ बर्फ में खराब भी हो जाते हैं। यहां के मकान केवल लकड़ी के बनाए जाते हैं जो बर्फीले मौसम में भी गर्म रहते हैं ।यहां के लोग बड़ी मात्रा में भेड़-बकरियां पालते हैं जिससे सर्दी के मौसम में ऊन व मांस प्राप्त किया जा सके। ठंडे इलाकों में खानपान का भी विशेष ध्यान रखा जाता है। इस मौसम में गर्म तासीर का ही खाना खाया जाता है। तिल, अखरोट और बादाम से तैयार सिड्डू, मांस, मांस से तैयार मो-मो, थुक्पा, जुम्मा। दालों में कुलथ, मोठ तथा अन्य दालें व साग-सब्जियां, सूखे मेवे, मूंगफली। पेय पदार्थ में नमकीन चाय जिसकी चाय पत्ती एक विशेष प्रकार की होती है। देसी शराब, लुगड़ी इत्यादि। समतल इलाकों में भी साग-सब्जियां, कुलथ, मौठ, अन्य दालें, कुचालू, घंड्याली, मीट, मछली, चावल, मक्की, गेहूं की रोटी, चाय, कॉफी, शराब, सूखे मेवे, मूंगफली, पंजीरी, जिसे कहीं-कहीं सुंड भी कहते हैं, ये सब खाद्य पदार्थ शरीर को गर्म रखने के लिए खाए जाते हैं। शिशिर ऋतु- यह ऋतु जनवरी से फरवरी महीने में आती है। इसमें भी सर्दी चरम सीमा पर होती है, परंतु समतल इलाकों में 14 जनवरी यानी मकर संक्रांति से सूर्य के उत्तरायण हो जाने के कारण मौसम में धीरे-धीरे बदलाव आना आरंभ हो जाता है, जिसमें धीरे-धीरे दिन भी बढने लगते हैं और धीरे-धीरे ठिठुरती सर्दी से गुलाबी सर्दी आने लगती है, परंतु पर्वतीय इलाकों में अभी भी सर्दी चरम सीमा पर होती है। पूरी सर्दियों में धुंध और कोहरे की घनी चादर से सूर्य की किरणें धरती पर 12.00 से 1.00बजे तक नहीं पहुंच पाती हैं और दिन छोटे होने के कारण सूर्य जल्दी ही अस्त भी हो जाता है, जिसके कारण धरती का तापमान न्यूनतम चला जाता है। मकर संक्रांति से सूर्य के उत्तरायण होने से मौसम में बदलाव आने से धुंध और कोहरे का हटना आरंभ हो जाता है और सूर्य की रोशनी सुहावनी लगती है और उष्मित तापमान का आनंद आने लगता है। इन ऋतुओं में अधिक सर्दी होने के कारण कई तरह की बीमारियां भी लग जाती हैं। जैसे- खांसी, जुकाम, गले में खराश, बुखार, जोड़ों में दर्द।

कुछ अलग

मानकों का झोल तो जिंदगी गोल

सुबह सुबह मार्निंग वॉक करते फेफड़ों का मन रखने के लिए अपने फेफड़ों में जरा कम घटिया हवा भरने निकला था कि सामने अपने नाक पर रुमाल रख अपना बिस्तर बांधे खड़े पता नहीं कहां जाने को आतुर बंधु दिखे तो विस्मय हुआ। उनको मुस्कुराते हुए भावभीनी विदाई देने से पहले उनके पास राम सलाम करने गया तो उनसे यों ही पूछ लिया, 'बंधु! सुबह सुबह कहां?' 'यार! लगता है अब ये शहर जीने लायक नहीं रहा। यहां की हवा मानकों से बहुत नीचे बह रही है।' 'मानकों के नीचे तो यहां बहुत कुछ है। तुम भी। मैं भी। तो क्या हम अपने को भी छोड़ दें? शहर में क्या सुविधा नहीं? पानी समय पर आता है। पेपर समय पर आता है। ताजी ताजी सब्जियां ऐसी मिलती हैं कि...। गाय कूड़े के ढेर पर सोई होने के बाद भी दूध की नदियां मोहल्ले मोहल्ले बह रही हैं। ढाबे ढाबे बटर के अक्षय भंडार भरे हैं। रोटी न बने तो जमेटो हाजिर है। ऐसे में मुझे तो ये शहर एक सौ दस प्रतिशत जीने के लायक लगता है। इतनी चकाचौंध जो मेरे शहर में है, इतनी तो इंद्रपुरी में भी क्या ही होगी? और एक तुम हो कि ऐसे शहर को न जीने लायक घोषित कर खिसके जा रहे हो?' 'बंधु! यहां रहने वालों की क्वालिटी तो गिरी ही हुई थी, पर अब यहां हवा की क्वालिटी भी गिर गई है। और तुम्हें तो पता है कि मैं हर चीज से समझौता करने का आदी हूं, पर क्वालिटी से कोई समझौता नहीं करता।' 'तो?' 'मैं वक्त से पहले मरना नहीं चाहता बंधु! इसलिए किसी ऐसे हिल स्टेशन पर जा रहा हूं जहां कम से कम हवा तो क्वालिटी की मिले', कह उन्होंने अपनी जेब से एक रुमाल निकाल मुझे भी अपनी नाक पर रखने को दिया, पर मैं वह रुमाल अपनी नाक पर रखने के बदले ज्यों ही अपनी जेब में डालने को हुआ तो वे मुझ पर गुस्साते बोले, 'हद है यार! वक्त से पहले मरने का शौक है क्या? मैंने तुम्हें रुमाल जेब में रखने के लिए नहीं, नाक पर रखने के लिए दिया है।' 'मित्र! नाक पर रुमाल रखें वे जिनकी नाक कटी हो। नाक बदतमीज से बदतमीज की शान होती है। इसलिए वह हर हाल में पूरी दिखनी चाहिए। और एक तुम हो कि शहर के इज्जतदारों में शुमार होने के बाद भी अपनी नाक पर रुमाल रखे हो। ऐसे में लोग क्या समझेंगे?' 'जो समझना हो, समझते रहें। मुझे नाक नहीं, जिंदगी प्यारी है। चलो, अपनी नाक पर रुमाल रखो यार! ये समय बेकार की नाक के दिखावे में न पडने के बजाय नाक छुपाने का है। कल यमराज मिले थे। यमराज होने के बाद भी उन्होंने भी अपनी नाक पर रुमाल रखी थी। उन्होंने मुझे फाइनल चेतावनी देते कहा कि जो नंगी नाक इस दमघोंटू हवा में एक भी सांस ली तो मेरी तो मेरी, उनकी भी उम्र कम हो सकती है। तुम तो आदमी हो यार आदमी! फिर मत कहना कि मैंने तुम्हें समय से पहले उठा लिया। बस, इसी डर से नाक छुपी है। मैं वक्त से पहले तो क्या, मरने के आए वक्त के बाद भी मरना नहीं चाहता दोस्त!' 'बंधु! हम तय मानकों से नीचे के पानी को भी गटागट पीने वाले जीव हैं। तुम ही बताओ, हमें वह पानी पीकर आज तक कुछ हुआ क्या? बंधु! हम तय मानकों से नीचे की क्वालिटी का आटा खाने वाले जीव हैं। तुम ही बताओ, हमें आज तक वैसा आटा खाकर कभी कुछ हुआ क्या? बंधु! किसी भी एक ऐसे रिश्ते का नाम बता दो जो मानकों के अनुरूप हो? फिर भी क्या हम रिश्तों पर विश्वास नहीं बनाए हैं क्या? ये मानकों के भ्रम बहुत भयानक होते हैं बंधु! पागल से पागल को भी जीने नहीं देते। इसलिए मेरी मानो तो मानकों का मोह छोड़ो और मानकों की पल पल टूटती पटड़ी पर वंदे भारत बन आंखें मूंद दौड़ो। बंधु! सच कहूं, मुझे इस मानक शब्द से सबसे अधिक चिढ़ है।

देश दुनीया से

पुरुष प्रताडऩा का औचित्य

पुरुष प्रताडऩ से जुड़ा ताजा मुद्दा पूरे देश में सुर्खियां बटोर रहा है। बेंगलुरू में इंजीनियर अतुल सुभाष (34) ने इसलिए आत्महत्या कर ली क्योंकि वह अपनी पत्नी की ओर से लगाए गए आरोपों से परेशान हो चुका था। उसका आरोप था कि एक के बाद एक धाराएं उस पर और उसके परिवार वालों पर लगाई गईं। हमारे समाज में सिर्फ अतुल का ही नहीं, बल्कि बहुत सारे ऐसे मामले आए हैं जिनमें पुरुषों ने महिलाओं के आरोपों से प्रताड़ित होकर आत्महत्या कर ली। आज पुरुष उत्पीडऩ का मुद्दा गंभीर बना हुआ है। विशेषज्ञों के मुताबिक, पुरुष उत्पीडऩ के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पुरुष अक्सर अपने उत्पीडऩ की बात खुलकर कहने में झिझकते हैं। समाज में बनी इस धारणा के कारण कि महिलाएं ही पीड़ित होती हैं, पुरुषों की शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जाता। मनोविज्ञानी कहते हैं कि महिलाओं की प्रमुख शिकायतें अक्सर पुरुषों के नशे में हिंसक होने, विवाहेत्तर संबंध रखने या परिवार की उपेक्षा करने से जुड़ी होती हैं। इन पर कार्रवाई होती है, लेकिन पुरुषों की ऐसी शिकायतों को क्यों उतनी तवज्जो नहीं मिलती। गौरतलब है कि समाज में महिलाओं के अधिकारों और उनकी सुरक्षा के लिए कई सशक्त कानून बनाए गए हैं। इनसे महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों पर लगाम लगाई जा रही है, लेकिन दूसरी तरफ पुरुषों के उत्पीडऩ का मुद्दा अब भी गंभीर अनदेखी का शिकार है। पुरुष उत्पीडऩ का सीधा असर उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। कई बार यह हताशा उन्हें आत्महत्या जैसे कदम उठाने के लिए मजबूर कर देती है। बेंगलुरु के अतुल सुभाष का मामला इसका ताजा उदाहरण है। भारत में अभी तक ऐसा कोई सरकारी अध्ययन या सर्वेक्षण नहीं हुआ है जिससे इस बात का पता लग सके कि घरेलू हिंसा में शिकार पुरुषों की तादाद कितनी है, लेकिन कुछ गैर सरकारी संस्थान इस दिशा में जरूर काम कर रहे हैं। 'सेव इंडियन फैमिली फाउंडेशन' और 'माई नेशन' नाम की गैर सरकारी संस्थाओं के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि भारत में नब्बे फीसदी से ज्यादा पति तीन साल की रिलेशनशिप में कम से कम एक बार घरेलू हिंसा का सामना कर चुके होते हैं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पुरुषों ने जब इस तरह की शिकायतें पुलिस में या फिर किसी अन्य प्लेटफॉर्म पर करनी चाही तो लोगों ने इस पर विश्वास नहीं किया और शिकायत करने वाले पुरुषों को हंसी का पात्र बना दिया गया। कुछेक महिलाओं द्वारा पुरुषों को प्रताड़ित करने से, पुरुषों द्वारा आत्महत्या के मामलों में वृद्धि हो रही है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक देश में पुरुषों की आत्महत्या की दर महिलाओं की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा है। इसके पीछे तमाम कारणों में पुरुषों का घरेलू हिंसा का शिकार होना भी बताया जाता है जिसकी शिकायत पुरुष किसी फोरम पर कर भी नहीं पाते हैं। उनमें सबसे बड़ा तर्क यह है कि महिलाओं को सुरक्षा देने के जो कानून बने हैं, उनके दुरुपयोग से पुरुषों को प्रताड़ित किया जाता रहा है। मौजूदा कानून धारा 498-ए, अमरीका के जिस कानून से प्रेरित होकर यह कानून बनाया गया था, वह अमरीकी कानून जेंडर निरपेक्ष है और उसमें पुरुषों की प्रताडऩा के मामले भी देखे जाते हैं। पिछले 20 वर्षों से पुरुष प्रताडऩा के केस तेजी से बढ़े हैं। आज इंजीनियर अतुल सुभाष के साथ ऐसा हुआ है, कल किसी और के साथ ऐसा होगा। ऐसे में सरकार को पुरुषों के हित में कोई न कोई कानून जरूर बनाना चाहिए। अतुल पढ़े लिखे शख्स थे। उन्होंने अपनी आपबीती पूरी दुनिया को सुनाई, फिर उसके बाद उन्होंने आत्महत्या का कदम उठाया, लेकिन बहुत सारे ऐसे पुरुष हैं जिनके बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं होती है। वे अंदर ही अंदर परेशानियों से लड़ते, झगड़ते व जूझते हैं। केस के चक्कर में घर, जमीन, जायदाद सब बिक जाता है। लेकिन, किसी को कानोंकान खबर तक नहीं होती है। हमें उन बेकसूरों को भी इंसाफ दिलाने के लिए आवाज उठानी है, ताकि भविष्य में कभी किसी दूसरे अतुल के साथ इस तरह की घटना न हो। इस समय ऐसे मामलों में काफी वृद्धि हो रही है, लेकिन क्या इन घटनाओं के कारण झूठे हैं या नहीं, इसका जवाब तो आत्मदर्शन से भी आसानी से मिल सकता है। महिलाओं द्वारा पुरुषों पर हिंसा आज एक आम समस्या बन गई है। इसमें आर्थिक, शारीरिक, यौन और भावनात्मक शोषण के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक दुव्र्यवहार भी शामिल है, जो किसी व्यक्ति के मनोवैज्ञानिक और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। पुरुष और महिलाएं भी लिंग आधारित हिंसा की शिकार हैं। भारत जैसे देश में, जो सदियों से पुरुष प्रधान रहा है, लोगों के लिए यह विश्वास करना कठिन है कि पुरुष भी महिलाओं की तरह घरेलू हिंसा के शिकार हो सकते हैं। इसका एक कारण यह हो सकता है कि भारत में किसी भी कानून में पुरुषों के खिलाफ घरेलू हिंसा को मान्यता नहीं दी गई है। हालांकि, आम धारणा के विपरीत, महिलाओं द्वारा मनोवैज्ञानिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित होने वाले पुरुषों की संख्या बढ़ रही है। देश में मौजूदा कानूनों को देखते हुए, ऐसा कोई खास कानून नहीं है जो पुरुषों को अंतरंग साथी की हिंसा से बचाता हो। भारतीय संविधान कहता है कि सभी नागरिकों को जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार है। फिर पुरुष इसका अपवाद कैसे हो सकते हैं? इस क्षेत्र में घरेलू हिंसा को रोकने और कम करने के लिए, लिंग तटस्थ कानून लागू किए जाने चाहिएं और लिंगवादी कानून नहीं बनाए जाने चाहिएं। पुरुषों के खिलाफ मानसिक और शारीरिक प्रताडऩा न तो अब संवेदनहीन मुद्दा है, न ही इस पर बात करना महिला अधिकारों का किसी प्रकार का अतिक्रमण है। जहां तक पुरुषों के उत्पीडऩ का प्रश्न है, इस पर बात करना मानव अधिकारों का, समाज में संतुलन बनाए रखना है। एक देशी डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'मार्टर्स ऑफ मैरिज' में ऐसे पुरुषों की कहानी बयां की गई है जिन्होंने झूठे केस में फंसाए जाने के बाद आत्महत्या कर ली। अतुल सुभाष का मामला इससे मिलता जुलता है।

आप का नजरीया

तपोवन साक्षी है

तपोवन में विधानसभा परिसर और वहां उगी दूब में साल के बेहद कीमती घटनाक्रम का इंतजार। एक रिवायत की स्थिरता में चंद फूल और कांटे भी। यहां जीवंतता का उत्साह शिमला परिसर से भिन्न और खुले आकाश के नीचे सत्ता का प्रारूप बदल जाता है। कुछ आक्रोश अगर प्रदेश में उभरते हैं, तो तपोवन साक्षी है कि यहां कहने की अनुगूंज हिमाचल के पर्वतों से रास्ता निकाल लेती है, वरना शिमला में राजधानी का कद मोहलत नहीं देता। आज का दिन तपोवन का दिन है, लेकिन चार दिनों की चांदनी के बाद कौन सोचेगा कि इस लोकतांत्रिक प्रतीक के वार्षिक फलक पर स्थायी चांदनी चाहिए। भाजपा अपनी चांदनी में तपोवन के शीतकालीन सत्र का श्रृंगार आक्रोश रैली से करेगी। शायद यह बिलासपुर में सरकार के दो साला जश्न के मुकाबले में पूरी तरह उतर आए या सदन तक मुद्दों की आवाज यहां से ही पहुंच जाए। सवाल दर सवाल, विपक्ष दर विपक्ष और सत्ता दर सत्ता से जुड़ी आकांक्षाएं, उम्मीदें और अपेक्षाएं जब तपोवन को चिरस्थायी रखना चाहती हैं, तो लगता है यह चार दिन का सदन क्या मजबूरी की ढुलाई बन गया है। क्या इसी मंशा से विधानसभा के द्वार धर्मशाला में खुले थे या बस इतनी सी महत्त्वाकांक्षा में निचला हिमाचल संतुष्ट हो गया। आखिर इस सफर के आर्किटेक्ट रहे स्व. वीरभद्र सिंह ने ऐसी मंजिल चुनी कि साल के कुछ महीने सरकार की नजदीकी का आभास यह क्षेत्र करे। शिमला का संतोष, निचले हिमाचल की बेचैनियों को नहीं महसूस करता। वहां से हिमाचल की नीतियां नहीं पढ़ पातीं कि कितने किसान अपने खेत को वीरान कर चुके हैं, क्योंकि यहां जंगली जानवर, बंदर तथा आवारा पशु बढ़ गए हैं। शिमला को नहीं मालूम भरमौर और पांगी में भौगोलिक कठोरता में कितना दम फूलता है। आखिर शिमला की ब्यूरोक्रेसी को अपना सप्ताहांत चंडीगढ़ और दिल्ली के हिमाचल भवन और सदन की निगाहों में ही तो गुजारना है। इस दौरान किसको परवाह कि सरकारी बसें किसकी मंजिल आने से पहले खड़ी हो गईं या सरकारी होटलों में जायका घाटे की प्लेट पर फीका कैसे हुआ। आश्चर्य यह कि हमारी सियासी बहस को अब एक अदद समोसा या मुर्गा चाहिए, लेकिन मुर्गा बनी परंपराएं दिखाई नहीं देतीं। किसमें इतना दम है कि पूछे कि सत्ता और विपक्ष के बीच कितने विधायक मुर्गा बन गए या इधर की पाली, उधर की ताली कैसे हो गई। हम सिर्फ पाले बदलती राजनीति देख रहे हैं, जहां हकीकत को भी मसखरेपन का आलेप लगाया जा रहा है। छात्र नहीं आ रहे तो भी स्कूल की इमारतों के जश्न और समारोह होने चाहिएं ताकि कोई हारा उम्मीदवार भी मुख्यातिथि बन सुशोभित हो और एक-दो नए कमरों के निर्माण की घोषणा कर दे। घोषणा कर दे कि सरकारी बसें किसी न किसी घाटे के रूप पर अवश्य दौड़ पड़ेंगी। बंटेगा हिमाचल, नई जिल्द में या नई किलेबंदी में। एक हिमाचल सरकार के दो साला महोत्सव में खुश दिखा और एक आज विधानसभा परिसर के बाहर रुष्ट दिखेगा। इस बीच जनता के पास कुछ दिन, शीतकालीन सत्र की उपादेयता के प्रश्न पर अपनी उम्मीदों और हाशियों के बीच। टकटकी लगाए हजारों बेरोजगार और नागरिक समाज भारी परिवर्तन की उम्मीद में सत्ता के सेहरों और विपक्ष के मोहरों को देख रहा, ताकि कोई तो चल जाए।

प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस नेताओं पर पानी की बौछारें, पुलिस से धक्का-मुक्की

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी नेतृत्व के आह्वान पर बुधवार को राजधानी जयपुर के शहीद स्मारक पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा शहीद स्मारक से राजभवन तक पैदल मार्च भी निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन पुलिस ने बेरिकेड लगाकर कार्यकर्ताओं को रोक लिया। इसके बाद कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प हो गई। पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल कर भीड़ को तितर-बितर किया। धरना-प्रदर्शन में अशोक गहलोत, सचिन पायलट, गोविंद सिंह डोटासरा, टीकाराम जूली सहित कांग्रेस के सभी बड़े नेता मौजूद रहे। शहीद स्मारक से राजभवन तक पैदल मार्च के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डोटासरा और पायलट को कंधों पर उठा लिया। इसके बाद बैरिकेडिंग के पास जमकर नारेबाजी की और कार्यकर्ताओं ने राजभवन कूच करने की कोशिश की। लेकिन कार्यकर्ताओं और नेताओं को बैरिकेडिंग कर रोका। उसके बाद वाटर कैनन से पानी की बौछार की गई। जैसे ही कांग्रेस के कार्यकर्ता राजभवन की ओर मार्च करने के

लिए आगे बढ़े तो पुलिस ने उन्हें शहीद स्मारक पर ही रोक लिया। इस दौरान कांग्रेस की महिला कार्यकर्ता शमा खान और अन्य कार्यकर्ताओं की पुलिस से धक्का-मुक्की हो गई। शमा खान इस दौरान बेहोश हो गईं। उन्हें पानी पिला कर साथी कार्यकर्ताओं और पुलिस ने संभाला। शहीद स्मारक पर प्रदर्शन के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी ने आवाज उठाई, जो कुछ भी उद्योगपति अडानी को दिया जा रहा है, वह सही है क्या? कांग्रेस का विरोध पूंजीपतियों से नहीं है, लेकिन आप एकतरफा फैसला करो। एक को ही सब दे दो, यह गलत है। मणिपुर की पीएम मोदी ने सुध नहीं ली, इससे राज्यों में गलत मैसेज गया। मणिपुर जल रहा है, प्रधानमंत्री मोदी को वहां जाने की फुर्सत नहीं है। गहलोत ने कहा कि हम किसी तरह से कमजोर नहीं हैं,दल से दिमाग से इरादे सेज्हमें अपने गांव में घर-घर में संपर्क करना है, पंचायत चुनाव में काम करना है। बाद में असेंबली और लोकसभा के चुनाव आएंगे, तब आपको मजबूत रहना है। पब्लिक अब समझ चुकी है क्या फर्क है पिछली सरकार में और इस सरकार में। गहलोत ने कहा कि हमें संगठन को मजबूत करना होगा। बूथ तक जाना होगा। गहलोत ने पार्टी के कार्यकर्ताओं के सामने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि पार्टी संकट में होती है, तब असली कार्यकर्ता नेता की पहचान होती है। संकट के समय जो नेता आगे आते हैं, वही कांग्रेस के असली और वफादार सिपाही होते हैं। इसलिए आज आपका आना मायने रखता है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि भाजपा सरकार पेपर लीक में मगरमच्छ पकड़ने की बात करते हैं। लेकिन, इनसे चूहिया तक नहीं पकड़ी जाती। किरोड़ी मीणा की जुबान प्रधानमंत्री ले गए या कौन ले गए। सरकार एसआई भर्ती पर क्या करना चाहती है, यह बताएं? डोटासरा ने कहा कि आरपीएससी मेंबर बाबूलाल कटारा को कांग्रेस सरकार ने पकड़ा। रामू राम राईका को पकड़ा तो वह तो भाजपा का ही नियुक्त किया हुआ था। 25 से ज्यादा थानेदारों की तो जमानत हो गई। कृषि मंत्री इस्तीफा लिए घूम रहे थे। लगता है वह वापस जंच गए दिखते हैं। अगर जंच गए हैं तो किरोड़ी ने कहा था कि किसान लोन ले लेते हैं और चुकाते नहीं है।

ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में एएसआई से आगे सर्वेक्षण की मांग वाली याचिकाओं पर हाईकोर्ट में सुनवाई टली

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दो याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित कर दी। जिनमें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में आगे सर्वेक्षण करने का निर्देश देने के लिए समान राहत की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 12 दिसंबर को अंतरिम आदेश दिया, जिसमें अदालतों को सर्वेक्षण के आदेश सहित कोई भी प्रभावी अंतरिम या अंतिम आदेश पारित करने से रोक दिया गया है। जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए इस मामले को 24 फरवरी तक सुनवाई स्थगित कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट पूजा स्थल अधिनियम 1991 की संवैधानिक वैधता पर सवाल उठाने वाली याचिकाओं के एक समूह की सुनवाई करेगा, जो पूजा स्थलों के धार्मिक चरित्र को 15 अगस्त, 1947 की स्थिति से बदलने पर रोक लगाता है। राखी सिंह द्वारा दायर पहली याचिका में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के भीतर *वजूखाना* क्षेत्र का एएसआई सर्वेक्षण करने का अनुरोध किया गया, जबकि भगवान विश्वेश्वर द्वारा दायर

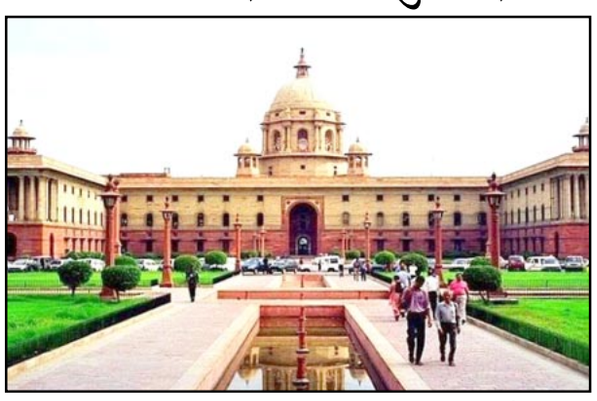

दूसरी याचिका, जिसका प्रतिनिधित्व उनके अगले मित्र एडवोकेट विजय शंकर रस्तोगी कर रहे हैं, का दावा है कि *स्वयंभू ज्योतिर्लिंग* ज्ञानवापी मस्जिद के मुख्य गुंबद के नीचे स्थित है। दूसरी याचिका एडवोकेट सौरभ तिवारी और विकास कुमार के माध्यम से दायर की गई है, जिसमें वाराणसी जिला जज के आदेश दिनांक 21 अक्टूबर, 2023 को चुनौती दी गई है। इसमें एएसआई को वजूखाना क्षेत्र का सर्वेक्षण करने का निर्देश देने से इनकार किया गया। एडवोकेट अजय कुमार सिंह के माध्यम से दायर दूसरी याचिका में वाराणसी कोर्ट के अक्तूबर 2024 के आदेश को चुनौती दी गई है। जिसमें संपूर्ण ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का अतिरिक्त (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) सर्वेक्षण करने की मांग करने वाली याचिका खारिज की गई। जिसमें मस्जिद के केंद्रीय गुंबद के नीचे के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। जिनका एएसआई ने पहले से सर्वेक्षण नहीं किया। दोनों याचिकाएं प्रभावी रूप से परिसर के उन हिस्सों का एएसआई सर्वेक्षण करने की मांग करती हैं, जहां अभी तक सर्वेक्षण नहीं किया गया।

बीपीएससी की 70वीं पीटी परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर पटना में अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

पटना (हिंस)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के अभ्यर्थी पटना के गर्दनीबाग में धरना-प्रदर्शन करने के लिए जुटे हैं और परीक्षा को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। यह प्रदर्शन विशेष रूप से बीपीएससी की 70वीं पीटी परीक्षा से जुड़ा हुआ है, जिसमें अभ्यर्थी किसी भी हालत में परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे हैं। गर्दनीबाग में आयोजित इस कार्यक्रम में बीपीएससी के अभ्यर्थी बड़ी संख्या में पहुंचे हैं। उनका मुख्य आरोप है कि प्रश्नपत्र लीक हो चुका था और इसी कारण पूरे बिहार में परीक्षा रद्द होनी चाहिए। पहले ही बापू सभागार में हुई परीक्षा को हंगामे और गड़बड़ी के कारण रद्द किया जा चुका है लेकिन अभ्यर्थियों का कहना है कि यह पूरी परीक्षा व्यवस्था ही संदेह के घेरे में है और अब पूरे राज्य में परीक्षा को रद्द किया जाए। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं पीटी परीक्षा के दौरान बापू परीक्षा केंद्र पर हुए हंगामे के बाद इस केंद्र की परीक्षा को रद्द कर दिया गया है लेकिन इसके बाद कैंडिडेट्स की मांग अब और भी तेज हो गई है। अब अभ्यर्थी पूरी परीक्षा को रद्द कर नए सिरे से दोबारा परीक्षा कराने की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बीते 13 दिसंबर को बीपीएससी की पीटी परीक्षा के दौरान बापू परीक्षा परिसर में पेपर लीक के आरोप में अभ्यर्थियों ने हंगामा किया था। पेपर देर से मिलने पर अभ्यर्थी नाराज थे और उनका आरोप था कि परीक्षा के दौरान गड़बड़ियां हुईं। बीपीएससी के अध्यक्ष ने इस पर स्पष्ट किया कि पेपर लीक नहीं हुआ था।

पंजाब में तीन घंटे रेल पटरियों पर बैठकर किसानों ने जताया विरोध

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के शंभू व खनौरी बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन के समर्थन में बुधवार को किसानों ने तीन घंटे तक रेलवे ट्रैक जाम करके विरोध जताया। किसानों ने रेल ट्रैक पर बैठने से दर्जनों ट्रेनों के रूट डायवर्ट किए गए, जबकि कई गाड़ियों को रद्द कर दिया गया। रेल रोको आंदोलन के कारण भारी संख्या में यात्री परेशान रहें। किसानों ने रेल रोको आंदोलन को सफल करार देते हुए अब 30 दिसंबर को पंजाब बंद का ऐलान किया है। किसान नेता सरवरण सिंह पंधेर ने कहा कि हम दुकानदारों, धार्मिक संस्थाओं, व्यापार मंडल और ट्रेड यूनियनों से मीटिंग करेंगे। उनसे मांग करेंगे कि वह पंजाब बंद में सहयोग दें। कसानों ने आज पंजाब में तीन घंटे रेलवे ट्रैक जाम किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को मन से लागू करें : राज्यपाल

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को मन से लागू करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह नीति ऐसी है, जिससे भारत आने वाले समय में वैश्विक ज्ञान में महाशक्ति बन सकेगा। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा नीति नैतिक मूल्यों से मनुष्य को जोड़ने वाली है। इससे देश के लोग सुनागरिक बनने की राह पर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रभावी रूप में लागू करने और शिक्षकों को इसमें अपना महती भागीदारी निभाने का आह्वान किया। बागडे बुधवार को राजस्थान विश्वविद्यालय, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा विभाग और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा पाठ्यपुस्तकों का अध्ययन ही नहीं है, यह व्यक्ति को मानवीय मूल्यों से ओतप्रोत करने का मार्ग है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की चर्चा करते हुए कहा कि वह सदा व्यक्ति नहीं समग्र पर जोर देते थे। नई शिक्षा नीति इसी दृष्टिकोण से जुड़ी है।

राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति में मानव मूल्यों को ही प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि शिक्षक नए से नए ज्ञान से अपने को जोड़े रखेगा तभी विद्यार्थी की बौद्धिक क्षमता का निर्माण कर पाएगा। उन्होंने शिक्षकों को मन से विद्यार्थियों को पढ़ाई कराने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि मैकाले ने भारतीय शिक्षा नीति को पूरी तरह से पश्चिमीकरण करने का प्रयास किया। देश में शिक्षा आयोग और नीतियां बनी परंतु हम पश्चिम की सोच से मुक्त नहीं हुए। शिक्षा में मातृ भाषा और जीवन व्यवहार की शिक्षा जरूरी है। नई शिक्षा नीति इसी से जुड़ी है। इसलिए इसे व्यवहार में लागू करने के लिए सभी प्रयास करें। राज्यपाल ने कहा कि भारत ज्ञान विज्ञान में आरंभ से ही समृद्ध रहा है। उन्होंने भास्कराचार्य का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने शून्य का जो वैज्ञानिक निष्कर्ष अपने समय में दिया, उसे ही पश्चिम के लोगों के ग्रहण कर लिया। उन्होंने कहा कि भारत अपने ज्ञान से विश्वगुरु था। फिर से उस ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने इस अवसर पर कार्यशाला की स्मारिका का भी लोकार्पण किया। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने नई शिक्षा नीति को प्राचीन भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा से जुड़ा बताते हुए कहा कि दशकों तक शिक्षा में जड़ता रही है। रटने पर ही शिक्षा में जोर दिया जाता रहा है परंतु नई शिक्षा नीति समता आधारित समाज निर्माण के साथ समावेशी दृष्टिकोण लिए समस्या समाधान कौशल को बढ़ावा देने वाली है। शिक्षा संस्कृति न्यास के डॉ. अतुल कोठारी ने नई शिक्षा नीति को अपनाने के लिए उसे व्यवहार में लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही देश को बदला जा सकता है। देश को विकास की नई राह दिलाई जा सकती है। उन्होंने शिक्षा संस्कृति न्यास के बारे में भी विस्तार से अवगत कराया। कॉलेज शिक्षा आयुक्त आरुषि मलिक ने भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा उच्च शिक्षा में किए जाने वाले नवाचारों के बारे में अवगत कराया। कॉलेज आयुक्त ओमप्रकाश बैरवा ने नई शिक्षा निति क्रियान्वयन के लिए दो दिवसीय कार्यशाला में होने वाली चर्चा के बारे जानकारी दी। राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. अल्पना कटेजा ने स्वागत उद्बोधन दिया।

कनिष्ठ लेखाकार एवं तहसील राजस्व लेखाकार संयुक्त सीधी भर्ती : अंतिम चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा कनिष्ठ लेखाकार एवं तहसील राजस्व लेखाकार संयुक्त सीधी भर्ती 2023 द्वारा भर्ती परीक्षा में पात्रता की जांच एवं दस्तावेज सत्यापन के पश्चात पात्र पाए गए अभ्यर्थियों में से वरीयता के आधार पर श्रेणीवार रिक्त पदों के विरुद्ध कनिष्ठ लेखाकार तथा तहसील राजस्व लेखाकार के अंतिम चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई। बोर्ड द्वारा अब उक्त कनिष्ठ लेखाकार में गैर अनुसूचित क्षेत्र के 4527 एवं अनुसूचित क्षेत्र के 222 कुल 4749 और तहसील राजस्व लेखाकार में गैर अनुसूचित क्षेत्र के 154 एवं अनुसूचित क्षेत्र के 25 कुल 179 अभ्यर्थियों का अंतिम से रूप चयन किया गया है। कनिष्ठ लेखाकार के पद पर अंतिम चयनित अभ्यर्थियों की सूची नियुक्ति के लिए निदेशक कोष एवं लेखा को एवं तहसील राजस्व लेखाकार के पद पर अंतिम चयनित अभ्यर्थियों की सूची निबंधक, राजस्व मंडल, अजमेर को अभिस्तावित कर दी गई है।

शंभू बार्डर पर जहरीला पदार्थ खाने वाले किसान की मौत

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के शंभू बार्डर पर तीन दिन पूर्व जहर पदार्थ खाने वाले किसान की बुधवार को पटियाला के अस्पताल में मौत हो गई। साथी की मौत से किसान भड़क गए और आंदोलन को तेज करने का ऐलान किया है। शंभू में गत दिवस खन्न के गांव रतनहेड़ी के किसान रणजोध सिंह ने सल्फास निगल ली थी। जिसके बाद उसे पटियाला के राजिंद्रा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। करीब तीन दिन के उपचार के बाद रणजोध सिंह की आज मौत हो गई। उधर, खनौरी बार्डर पर 23 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल (70) को मल्टीपल ऑर्गन फेलियर का खतरा बढ़ गया है। डल्लेवाल पहले से ही कैंसर के मरीज हैं।

सरस राज सखी राष्ट्रीय मेला

ग्रामीण भारत की महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए अहम कदम

जयपुर(हिंस)। राजधानी में आयोजित सरस आजीविका मेला-2024 में देश के विभिन्न राज्यों से जुड़ी रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध है। इस मेले का आयोजन जयपुर के जवाहर कला केंद्र एवं इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में 30 दिसंबर तक किया जा रहा है। यहा 300 से अधिक स्टॉल लगी है, जहां कपड़े, फुटवियर, ज्वैलरी से लेकर खाने-पीने तक का सामान उपलब्ध है। सरस मेला ग्रामीण विकास विभाग के तत्वावधान से राजीविका द्वारा लगाया गया है। इस मेले का उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित करना तथा ग्रामीण शिल्पकारो, कारीगरों और बुनकरों के उत्पादों को एक ही मंच पर लाकर उन्हें समृद्धि की ओर अग्रसित करने का अवसर प्रदान करना है। यह मेला ग्रामीण भारत की महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए एक अहम कदम है, जो केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल की थीम पर लगा हुआ है। सरस मेले में आम जन का काफी उत्साह नजर आ रहा है। मेले में लोग हैंड मेड

वस्तुएं, सजावटी सामान, शुद्ध मसाले एवं अन्य खाने-पीने की वस्तुओं में काफी रूचि दिखा रहे हैं। मेले में राजस्थान, असम, तमिलनाडु, केरल, आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों की महिलाओं ने अपनी स्टॉल लगा रखी है। मेले में लखपति दीदी हैंडमेड शोपीस आइटम, हैंडलूम साड़ियां, ज्वैलरी भी बेच रही हैं। सरस मेले में असम के बांस कला, बिहार की मधुबनी चित्रकला और सिक्की शिल्प, छत्तीसगढ़ की मोमबत्तियां तथा साबुन, गोवा व गुजरात के लकड़ी के खिलौने, सजावटी सामान, हरियाणा की धातु कला व मिट्टी के सामान, कर्नाटक के आभूषण, महाराष्ट्र के फुटविअर, ओडिसा के साबई हस्तशिल्प, बिहार के स्वर्ण घास उत्पाद तथा चूड़ियां, पश्चिम बंगाल के जूट हैंड बैग्स आकर्षण का केंद्र हैं।

कुरुक्षेत्र के खंडुआ साहिब से शुरू हुआ नगर कीर्तन फतेहाबाद पहुंचा, संगत ने किया स्वागत

फतेहाबाद (हिंस)। गुरु तेग बहादुर की शहीदी को समर्पित कुरुक्षेत्र के खंडुआ साहिब से शुरू हुआ नगर कीर्तन बुधवार को फतेहाबाद पहुंचा। यहां पहुंचने पर जगजीवनपुरा स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा में गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी और संगत ने नगर कीर्तन का स्वागत कर नमन किया। गुरुद्वारा सिंह सभा के महासचिव महेंद्र सिंह वधवा ने बताया कि यह नगर कीर्तन आज से 17 दिन पूर्व कुरुक्षेत्र के खंडुआ साहिब से शुरू हुआ जोकि देश के विभिन्न हिस्सों से होता हुआ आज यहां पहुंचा। यहां से यह नगर कीर्तन भूना से होते हुए वापिसी कुरुक्षेत्र खंडुआ साहिब के लिए रवाना हुआ। यहां पर संगत द्वारा नगर कीर्तन का स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि यूथ खालसा सोसायटी व अन्य संगत द्वारा चाय व अन्य प्रशाद वितरित किया गया। नगर कीर्तन की अगुआई कर रहे पांच प्यारों को भी सिरोपा भेंटकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि गुरुग्रंथ साहिब को रुमाला भेंटकर उनका आशीर्वाद लिया गया। नगर कीर्तन के साथ चल रहे जत्थेदार सज्जन सिंह खालसा ने बताया कि हरियाणा की संगत से शुरुआत हुई है तथा पूरा साल भर गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस को समर्पित आयोजन जारी रहेंगे। उन्होंने बातया कि जहां-जहां भी देश भर में नगर

कीर्तन गया, वहां की संगत ने गुरुग्रंथ साहिब जी का स्वागत किया। महेंद्र सिंह वधवा ने बताया कि गुरुद्वारा जगीजवनपुरा में सफर ऐ शहादत समागम का आयोजन 19 दिसंबर से 24 दिसंबर तक आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके तहत 19 दिसंबर से 23 दिसंबर तक शाम 6 बजकर 30 मिनट से रात 9 बजे तक विशेष दीवान सजाया जाएगा जिसमें जत्थेदार भूपिंद्र सिंह असंध प्रधान एचएसजीपएमसी, जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल चेयरमैन धर्म प्रचार एचएसजीएमसी प्रधान शिरोमणी अकाली दल भी विशेष रूप से शिरकत करेंगे। 24 दिसंबर को सुबह 10 बजे से बाद दोपहर 1 बजे तक गुरु का विशेष दीवान सजाया जाएगा। वधवा ने बताया कि इस दौरान गुरु का अटूट लंगर भी बरताया जाएगा।

तेजस्वी की सरकार बनने पर महिलाओं को प्रत्येक माह 25 सौ रुपया : अरुण यादव

भागलपुर (हिंस)। राजद के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने बुधवार को भागलपुर के परिसदन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम भागलपुर के टाउन हॉल में 22 दिसंबर को होगा। तेजस्वी यादव भागलपुर जिला के सुल्तानगंज, नाथनगर, भागलपुर, कहलगांव, पीरपैंती, बिहपुर और गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं से संवाद कार्यक्रम के माध्यम से सीधा संवाद स्थापित करेंगे। राजद प्रवक्ता ने कहा कि तेजस्वी यादव ने बिहार की आधी आबादी महिलाओं के शसक्तीकरण और खुशहाली के उद्देश्य से सरकार बनने पर माई बहिन मान योजना लागू करेंगे और महिलाओं को प्रत्येक माह 2500 रुपया देने का प्रण लिया है। प्रत्येक परिवार को 200 यूनिट फ्री बिजली देंगे, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत विधवा, दिव्यांग व्यक्तियों को मिलने वाला 4 सौ की राशि बढ़ाकर 15 सौ करेंगे। वृद्धा पेंशन योजना की राशि 4 सौ से बढ़ाकर 15 सौ करेंगे। तेजस्वी यादव जो कहते हैं वो करते हैं। उन्होंने महागठबंधन सरकार में 17 माह के सेवाकाल में अपने प्रण अनुरूप कार्य करके दिखा दिया है। इसलिए तेजस्वी यादव

जनता की आशा और उम्मीद बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव के कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम को लेकर राजद कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इससे साफ जाहिर होता है कि तेजस्वी यादव के कुशल नेतृत्व में आगामी विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की सरकार बननी तय है। संवाददाता सम्मेलन में कोशी स्नातक के पूर्व प्रत्याशी नितेश कुमार यादव, पार्टी के प्रदेश सचिव डॉ. तिरुपतिनाथ यादव, जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर यादव, जिला प्रवक्ता प्रो. सलाउद्दीन अहसन, युवा राजद के जिलाध्यक्ष बसारुल हक, सीमा जयसवाल, कृष्ण बिहारी गर्ग, नट बिहारी मंडल, अमित आर्यन कुमार, राम कुमार, मो. उमर ताज, गौतम बनर्जी आदि मौजूद थे।

आंदोलनरत किसान आज पंजाब में 48 स्थानों पर रोकेंगे ट्रेनें

चंडीगढ़(हिंस)। हरियाणा-पंजाब की सीमा पर शंभू और खनौरी में आंदोलनरत किसानों ने आज पंजाब में 48 स्थानों पर तीन घंटे तक ट्रेनें रोकने का ऐलान किया है। रेल रोको आंदोलन दोपहर 12 बजे से शुरू होगा। किसानों की इस घोषणा से पुलिस, रेलवे पुलिस और आरपीएफ की टीमें सतर्क हो गई हैं। रेल रोको आंदोलन पर किसान संगठन एकमत नहीं है। आज के आंदोलन से कई किसान संगठनों ने दूरी बना ली है। किसानों के विरोध के मुख्य केंद्र पंजाब का अमृतसर, जालंधर, होशियारपुर आदि जिले रहेंगे। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने कहा कि रेल रोको आंदोलन की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इस बीच किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के आमरण अनशन को लेकर आज संयुक्त बैठक बुलाई गई है।

थप्पड़बाज सनकी इंस्पेक्टर हुआ निलंबित, विभागीय जांच शुरू

वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आए अधिकारी

झांसी (हिंस)। उच्चाधिकारियों द्वारा अक्सर थाने में आने वाले फरियादियों के साथ अच्छा व्यवहार करने की समझाइश दी जाती है। यह भी बताया जाता है कि समस्या को धैर्यपूर्वक सुनकर समाधान करे। किसी भी फरियादी के साथ थाने में अभद्र व्यवहार नहीं किया जाए। लेकिन इसका पालन किस प्रकार होता है यह बीते रोज वायरल हुए जिले के मऊरानीपुर थाने के वीडियो से समझा जा सकता है। जिसके वायरल होने पर पुलिस विभाग को शर्मसार होने पर मजबूर होना पड़ा। हालांकि थाने में फरियादी को थप्पड़ मारने का वीडियो वायरल होने पर पुलिस अफसरों ने उसे संज्ञान लेकर प्रभारी निरीक्षक को सस्पेंड कर दिया है। वहीं पूरे प्रकरण की जांच भी शुरू कर दी गई है। वायरल वीडियो कुछ सप्ताह पुराना बताया जा रहा है। बुधवार को शोशल मीडिया पर मऊरानीपुर थाना में एक फरियादी को सुनवाई के दौरान थप्पड़ों से पीटने का वीडियो वायरल हुआ। वीडियो वायरल होते ही पुलिस महकमे में खलबली मच गई।

वायरल वीडियो को संज्ञान लेते हुए एसएसपी सुधा सिंह ने तत्काल प्रभाव से वीडियो में थप्पड़ मारते दिख रहे मऊरानीपुर थाना के अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक सुधाकर शाक्य को सस्पेंड कर दिया। यही नहीं पूरे प्रकरण में जांच के आदेश जारी कर दिए है। वहीं बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो करीब तीन से चार सप्ताह पुराना है। एसपी ग्रामीण गोपीनाथ सोनी ने बताया कि वायरल वीडियो को देखते हुए इंस्पेक्टर सुधाकर शाक्य को सस्पेंड कर दिया गया है। मामले में विभागीय जांच भी कराई जा रही है। दरअसल मऊरानीपुर के रूपा धमना गांव निवासी एक युवक का अपनी पत्नी के साथ विवाद चल रहा था। करीब एक माह पहले युवक थाने में पत्नी के खिलाफ शिकायत करने पहुंचा था। वह अपने साथ पलरा गांव निवासी सतेंद्र कुमार को ले गया था। सतेंद्र ने बताया कि दोस्त के नाते वह थाने चला गया था। वहां इंस्पेक्टर सुधाकर दोस्त को जेल भेजने की धमकी देने लगे। तब उसने उनसे कह दिया कि ऐसे कैसे जेल भेज दोगे। इस पर इंस्पेक्टर भड़क गए और उसे जेल भेजने की धमकी देते हुए नाम पूछने लगे। दादा का नाम नहीं बता पाया तो बुरी तरह मारपीट की। 20 मिनट तक थाने में बैठाकर रखा। तभी किसी ने इसका वीडियो बना लिया।

स्मार्टफोन निर्यात के मामले में एप्पल का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली

एप्पल कंपनी ने नवंबर महीने में स्मार्टफोन निर्यात के मामले में शानदार प्रदर्शन किया। इंडस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में स्मार्टफोन निर्यात 20,300 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले साल की समान अवधि से 90 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है।

भारत में स्मार्टफोन निर्यात ने इस साल नवंबर में नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जो पहली बार 20,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया। पिछले साल नवंबर में स्मार्टफोन निर्यात 10,600 करोड़ रुपये से अधिक था। इस माह निर्यात में एप्पल सबसे आगे रहा, इसके बाद सैमसंग का स्थान था। भारत का स्मार्टफोन निर्यात लगातार बढ़ रहा है, और यह एक संकेत है कि देश के उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत स्मार्टफोन विनिर्माण में बड़ी सफलता मिल रही है।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस उपलब्धि को स्मार्टफोन पीएलआई योजना के लिए एक मील का पत्थर बताया। मंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए कहा, एप्पल द्वारा 10 बिलियन डॉलर के आईफोन का उत्पादन और 7 बिलियन डॉलर का निर्यात हुआ है। भारत से कुल स्मार्टफोन निर्यात 7 महीनों में 10.6 बिलियन डॉलर को पार कर गया।

इसके अलावा, भारत में प्रीमियम, 5जी और एआई स्मार्टफोन की मजबूत मांग के कारण इस वर्ष 7-8 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2030 तक 500 बिलियन डॉलर के लोकल इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निर्यात वृद्धि को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।

इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के आंकड़ों के अनुसार, 2014-15 में मोबाइल फोन का उत्पादन 18,900 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में अनुमानित 4.10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पीएलआई योजना के कारण 2,000 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्शाता है। सरकार की पीएलआई योजना के कारण, एप्पल के आईफोन का उत्पादन वित्त वर्ष 2025 के सात महीनों में 10 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें अकेले 7 बिलियन डॉलर का निर्यात हुआ।

यह एक रिकॉर्ड है, जो भारत में स्मार्टफोन उत्पादन और निर्यात में मजबूती की दिशा में एक बड़ा कदम है।

न्यूज ब्रीफ

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 31 दिसंबर तक संशोधित आईटीआर करें दाखिल

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) और वार्षिक सूचना विवरण (एआईएस) में अंतर के बारे में जानकारी देने के लिए एक विशेष अभियान चला रहा है, जिसकी अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2024 है। आयकर विभाग ने बुधवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में करदाताओं से कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आपके एआईएस और आईटीआर में दर्ज आय के बीच बेमेल के लिए कृपया अपने वार्षिक सूचना विवरण की समीक्षा करें। विभाग ने करदाताओं से आग्रह करते हुए कहा कि कृपया ध्यान दें। 31 दिसंबर, 2024 तक संशोधित या विलंबित आईटीआर दाखिल करें और इस अवसर को न चूकें! उल्लेखनीय है कि आयकर रिटर्न (आईटीआर) और वार्षिक सूचना विवरण (एआईएस) में अंतर के बारे में सूचित करने के लिए एक अभियान चला रहा है। विभाग आईटीआर और एआईएस में अंतर को लेकर करदाताओं और रिटर्न दाखिल नहीं करने वालों को एसएमएस और ई-मेल भेजा है। यह एसएमएस और ई-मेल उन मामलों में भेजा जा रहा है, जहां वित्त वर्ष 2023-24 के लिए एआईएस और लेन-देन के बारे में दी गई जानकारी और आईटीआर में बताई गई इनकम के बीच अंतर पाया गया है।

साई लाइफ साइंसेज का शेयर 20 फीसदी बढ़त पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। साई लाइफ साइंसेज के शेयर ने बुधवार को बाजार में धूम मचाई। यह इसके निर्गम मूल्य 549 रुपये से 20 प्रतिशत अधिक उछाल के साथ उच्चतम स्तर पर सूचीबद्ध हुआ। शेयर ने बीएसई पर 20.21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 660 रुपये पर सूचीबद्ध किया गया, जो बाद में 27.86 प्रतिशत उछाल के साथ 702 रुपये पर पहुंच गया। इसके अतिरिक्त एनएसई पर शेयर ने 18.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 650 रुपये पर शुरूआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 14,493.75 करोड़ रुपये था। साई लाइफ साइंसेज के आरम्भिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शेयर बिक्री के तीसरे और अंतिम दिन तक 10.26 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने आईपीओ में 950 करोड़ रुपये के नए शेयर और 2,092 करोड़ रुपये के 3.81 करोड़ शेयर की बिक्री पेश की थी। इसके लिए मूल्य दायरा 522-549 रुपये प्रति शेयर था।

विशाल मेगा मार्ट का शेयर बाजार में सूचीबद्ध, शेयर का मूल्य बीएसई पर 41 प्रतिशत बढ़त के साथ 110 रुपये पर तय किया गया

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू सामानों के लिए बड़ी-बड़ी दुकानें चलाने वाली विशाल मेगा मार्ट ने बुधवार को अपने निर्गम मूल्य में बढ़ोतरी के साथ बाजार में सूचीबद्ध हो गया है। इसमें शेयर का मूल्य बीएसई पर 78 रुपये से 41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 110 रुपये पर तय किया गया है। यह बढ़ोतरी दर्शाती है कि बाजार में कंपनी को उम्मीदवारों की अच्छी प्रतिध्वनि मिली है। एनएसई पर भी शेयर का मूल्य 33.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104 रुपये पर शुरू हुआ था। विशाल मेगा मार्ट की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) बेहद सफल रही थी और शेयर बिक्री के अंतिम दिन गत शुक्रवार को 27.28 गुना अभिदान मिला था।

भारती एयरटेल, जम्मू-कश्मीर में मोबाइल सेवाओं की पहली निजी कंपनी बनी

नई दिल्ली। भारती एयरटेल जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला और बांदीपुरा जिलों में मोबाइल सेवाएं शुरू करने वाली पहली निजी दूरसंचार कंपनी बन गई है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि उसने कुपवाड़ा, बारामूला और बांदीपुरा जिलों में 15 मोबाइल टावर स्थापित किए हैं। इससे स्थानीय लोगों को फायदा मिलेगा और नियंत्रण रेखा पर तैनात सैनिकों को आवश्यक संचार सुविधा मिलेगी। इसमें कहा गया है कि भारती एयरटेल ने उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा के पास कुपवाड़ा, बारामूला और बांदीपुरा जिलों के गांवों में संपर्क स्थापित करने के लिए भारतीय सेना के साथ साझेदारी की है।

मोबिक्विक समेत पांच कंपनियों की स्टॉक मार्केट में एंट्री चार कंपनियों ने कराया मुनाफा, एक के निवेशक निराश

नई दिल्ली

मोबिक्विक, विशाल मेगा मार्ट, साई लाइफ साइंसेज समेत पांच कंपनियों के शेयरों की स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग के जरिए एंट्री हुई। इन पांच कंपनियों में से मोबिक्विक, साई लाइफ साइंसेज, विशाल मेगा मार्ट और पर्पल यूनाइटेड सेल्स के शेयरों ने अपने आईपीओ निवेशकों को बढ़िया मुनाफा कराया, वहीं सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट के शेयरों की कमजोरी लिस्टिंग से इस कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही नुकसान का सामना करना पड़ा।

मोबिक्विक के शेयरों ने शेयर बाजार में शानदार एंट्री की। आईपीओ के तहत मोबिक्विक के शेयर 279 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। स्टॉक मार्केट में कंपनी के शेयर 440 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए। इस तरह आईपीओ निवेशकों को लिस्टिंग के साथ ही करीब 58 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से इस शेयर में तेजी आ गई। सुबह 11 बजे मोबिक्विक के शेयर 525 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचकर कारोबार कर रहे थे। इसी तरह देश की सबसे बड़े इंटीग्रेटेड कॉन्ट्रैक्ट रिसर्च डेवलपमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग आर्गेनाइजेशन्स में शामिल साई लाइफ साइंसेज के शेयरों की भी घरेलू शेयर बाजार में जोरदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 549 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। बीएसई पर इसकी 660 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 650 रुपये के भाव पर लिस्टिंग हुई। इस तरह लिस्टिंग के साथ ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 20 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर में और तेजी आई। दोपहर 11 बजे कंपनी के शेयर 697.90 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को अभी तक 27.12 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। ही देश के कई राज्यों में फैले हाइपरमार्केट चेन विशाल मेगा मार्ट के शेयरों की स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री हुई। आईपीओ के तहत विशाल मेगा मार्ट के शेयर 78 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। बीएसई पर इसकी 110 रुपये के भाव पर और एनएसई पर 104 रुपये के भाव पर लिस्टिंग हुई। इस तरह आईपीओ निवेशकों को करीब 34 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिला। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर 111.19 रुपये के स्तर तक पहुंचा, वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर इसमें मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। सुबह 11 बजे विशाल मेगा मार्ट के शेयर 108.22 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इसी तरह पर्पल यूनाइटेड सेल्स के शेयरों की भी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर धांसू एंट्री हुई। कंपनी के शेयर 126 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। इन शेयरों की लिस्टिंग 199 रुपये के भाव पर हुई। इस तरह आईपीओ निवेशकों को लिस्टिंग के साथ ही 58 प्रतिशत का मुनाफा मिल गया। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर में और तेजी आई। थोड़ी ही देर में ये शेयर 208.95 के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। ही हाउसकीपिंग और क्लीनिंग, डिसइंफेक्टिंग एंड सैनिटाइजिंग जैसी सर्विस देने वाली कंपनी सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट के शेयर भी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए। हालांकि कंपनी के शेयरों ने लिस्टिंग के साथ ही निवेशकों को करारा झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 76 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। इन शेयरों की लिस्टिंग 1 रुपये के नुकसान के साथ 75 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह लिस्टिंग के साथ ही आईपीओ निवेशकों को 1.32 प्रतिशत का नुकसान हो गया। लिस्टिंग के बाद भी निवेशकों को झटके का सामना करना पड़ा, क्योंकि थोड़ी ही देर बाद बिकवाली के दबाव की वजह से ये शेयर टूट कर 71.25 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 6.25 प्रतिशत के नुकसान का सामना करना पड़ा है।

झारखंड सरकार ने कोयला बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू की

रांची

कानूनी प्रक्रिया शुरू करने से पहले अधिसूचना जारी की गई थी

झारखंड सरकार ने केंद्र से 1.36 लाख करोड़ रुपये का कोयला बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस प्रक्रिया का पहला कदम राजस्व, पंजीकरण और भूमि सुधार सचिव को अधिकृत करने वाले अधिसूचना की जारी करना था। पिछले महीने झारखंड की नई सरकार ने मंत्रिमंडल की पहली बैठक में बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई करने की घोषणा की थी।

उसके बाद एक अधिसूचना जारी की गई जिसमें कहा गया, राजस्व, पंजीकरण और भूमि सुधार सचिव को केंद्र से 1.36 लाख करोड़ रुपये का बकाया वसूलने के लिए तत्काल कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। केन्द्रीय कोयला राज्यमंत्री ने कहा था कि झारखंड का केंद से कोई बकाया नहीं है, लेकिन झामुमो के महासचिव ने इसका खंडन किया और कहा कि अगर कोयले की रॉयल्टी 15 दिनों के अंदर नहीं दी जाती है तो राज्य से कोयला नहीं जाएगा। इसके साथ ही, कोयला कंपनी के अधिकारियों को चेतावनी दी गई कि कोयला ढुलाई बंद कर दी जाएगी।

सेबी ने ओडीआई के लिए खुलासा अनिवार्य किया

नई दिल्ली। सेबी ने ऑफ शोर डेरिवेटिव इंस्ट्रूमेंट (ओडीआई) के लिए नए नियमों की घोषणा की। इससे स्पष्ट हुआ कि ओडीआई को स्वामित्व और आर्थिक हित से जुड़े खुलासे अनिवार्य होंगे। राजधानी बाजार नियामक ने ओडीआई को पहले पार्टिसिपेटरी नोट्स के रूप में जाना जाता था, जिनका प्रयोग हेज फंडों द्वारा भारतीय प्रतिभूतियों में निवेश के लिए किया जाता था। नए नियमों के अनुसार वे एक अलग पंजीकरण के माध्यम से ही ओडीआई इश्यू कर सकेंगे, जिसमें कोई मालिकाना निवेश नहीं होगा।

आभूषणों की प्रदर्शनी

मिस्र के काहिरा में सोने और आभूषणों के लिए चौथे अंतर्राष्ट्रीय नेबू एक्सपो में एक प्रदर्शक सोने के आभूषणों को व्यवस्थित करते हुए। मिस्र के सोने के निर्यात क्षेत्र के उद्योग के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि देश के सोने के उद्योग को और विकसित करने की अभी भी काफी संभावना है ।

ईपीएफओ ने उच्च वेतन पर पेंशन के लिए विवरण अपलोड करने की तारीख 31 जनवरी तक बढ़ाई

3.1 लाख से अधिक लंबित आवेदनों के लिए 31 जनवरी तक का अंतिम अवसर दिया

नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने उच्च वेतन पर पेंशन के लिए लंबित आवेदनों को ऑनलाइन मंच पर साझा करने की समय-सीमा को नियोक्ताओं के लिए 31 जनवरी, 2025 तक बढ़ा दी है। ईपीएफओ ने डेडलाइन 3.1 लाख लंबित आवेदनों के संबंध में वेतन विवरण आदि साझा करने (अपलोड) करने के लिए बढ़ाई है।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ ने आखिरी बार नियोक्ताओं के लिए 31 जनवरी, 2025 तक की अवधि बढ़ा दी है, ताकि वे उच्च वेतन पर पेंशन योजना के तहत विकल्प या संयुक्त विकल्पों के सत्यापन के लिए उनके पास

लंबित करीब 3.1 लाख आवेदनों को अपलोड कर सकें। इसके अलावा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने नियोक्ताओं को अतिरिक्त जानकारी या स्पष्टीकरण पर जवाब देने के लिए 15 जनवरी, 2025 तक का समय दिया है, जिसमें 4.66 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। ईपीएफओ ने उनकी जांच के बाद स्पष्टीकरण मांगा है। ईपीएफओ ने उच्च वेतन पर पेंशन के लिए विकल्पों और संयुक्त विकल्पों का सत्यापन करने के लिए ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व नीतिगत ब्याज दरों को लेकर अपने फैसले का ऐलान करने वाला है। इसके पहले पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स लगातार नौवें कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। पिछले 9 कारोबारी दिनों के दौरान डाउ जॉन्स में अभी तक 1,600 अंक से अधिक की गिरावट आ चुकी है। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,053.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ, जबकि नैस्डेक ने 0.33 प्रतिशत टूट कर 20,108.30 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 43,505.80 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। पूरे दिन दबाव में कारोबार करने के बाद यूरोपीय बाजार मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.82 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,195.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 20,246.37 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,365.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स 108.30 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,808.78 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.83 प्रतिशत उछल कर 2,477.93 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 23,021.22 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.71 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,385.64 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,352 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.43 प्रतिशत फिसल कर 3,783.73 अंक के स्तर तक आ गया है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 190.77 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 39,173.91 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.27 प्रतिशत लुढ़क कर 1,391.86 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत टूट कर 7,152.36 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

ईडन गार्डन्स में दो महान हस्तियों के नाम पर स्टैंड्स का नामकरण

कोलकाता

क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) ने मंगलवार को ईडन गार्डन्स के दो दर्शक स्टैंड्स का नामकरण दो महान हस्तियों के नाम पर करने की घोषणा की। यह स्टैंड्स भारतीय सेना के वीर अधिकारी कर्नल एन.जे. नायर और भारत की पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी झूलन गोस्वामी के नाम पर रखे गए हैं। यह सम्मान इन दोनों के अपने-अपने क्षेत्रों में असाधारण योगदान और उपलब्धियों को सलाम करने के लिए दिया गया है।

कर्नल एन.जे. नायर का योगदान

कर्नल एन.जे. नायर, जिन्हें एनजे के नाम से जाना जाता है, भारतीय सेना के एक उत्कृष्ट अधिकारी थे। वे अकेले ऐसे सैनिक थे जिन्हें भारत के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार अशोक चक्र और दूसरे सर्वोच्च पुरस्कार कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया। कर्नल नायर की वीरता और राष्ट्र सेवा को यह सम्मान देकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

झूलन गोस्वामी की क्रिकेट में उपलब्धियां

झूलन गोस्वामी ने भारतीय क्रिकेट टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 12 टेस्ट मैचों में 44 विकेट, 204 एकदिवसीय मैचों में 255 विकेट (जो विश्व रिकॉर्ड है) और 68 टी-20 मैचों में 56 विकेट झटके। क्रिकेट के क्षेत्र में उनकी इन उपलब्धियों के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया।

सीएबी अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने कहा कि हमारे लिए यह गर्व का क्षण है कि हम इन दो महान हस्तियों, कर्नल एन.जे. नायर और झूलन गोस्वामी, को सम्मानित कर रहे हैं। यह शाम हम सभी के लिए उनके साहस और उपलब्धियों को सलाम करने का एक मौका है।

कर्नल नायर के बेटे ने जताया आभार

कार्यक्रम में कर्नल नायर के बेटे, शिवन जे. नायर, को भी सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए गर्व का क्षण है। मैं सीएबी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मेरे पिता को यह सम्मान दिया।

झूलन गोस्वामी की प्रतिक्रिया

झूलन गोस्वामी ने इस सम्मान को अपने जीवन का विशेष क्षण बताया। उन्होंने कहा कि मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरे नाम पर स्टैंड का नाम रखा जाएगा। भारतीय टीम के लिए खेलना मेरा सौभाग्य था, लेकिन यह सम्मान मेरे लिए बहुत खास है। उन्होंने सीएबी अध्यक्ष और अपने पूरे क्रिकेट करियर में सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

सौरव गांगुली ने सराहा

कार्यक्रम में पूर्व बीसीसीआई और सीएबी अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने कहा, आज का दिन खास है क्योंकि हमने दो महान हस्तियों, कर्नल एन.जे. नायर और झूलन गोस्वामी, के नाम पर स्टैंड्स का नाम रखा। दोनों ने अपने-अपने क्षेत्र में देश को गौरवान्वित किया है।

न्यूज ब्रीफ

सुरजीत सेकिया ने की शानदार बल्लेबाजी, नार्दर्न रेलवे ने जीता मैच

लखनऊ। बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के सी डीवीजन में गुरुमन क्रिकेट एकेडमी को 147 रन से हराकर नार्दर्न रेलवे एकेडमी ने बढ़त बना ली। इस मैच में सुरजीत सेकिया ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 69 रन बनाये। नार्दर्न रेलवे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर से पहले 32वें ओवर में ही 214 रन बनाकर आउट हो गयी। सलामी बल्लेबाज सुरजीत सेकिया ने 10 चौकों की मदद से 81 बाल पर 69 रन बनाये। वहीं अंजुल मिश्रा ने 12 रन का योगदान दिया, जबकि अभिषेक ने 38 रन और यशवंत ने 32 रन बनाये। ऋषि राज ने 14 रन बनाये। वहीं गुरुमन क्रिकेट एकेडमी मात्र 67 रन बनाकर पवेलियन लौट गयी और नार्दर्न रेलवे ने 147 रन से मैच को जीत लिया। अपनी टीम में सबसे अधिक फैज आलम ने 24 रन बनाये। वहीं गोल्डी यादव शून्य पर ही पवेलियन लौट गये, जबकि सलामी बल्लेबाज दिव्यांश ने 13 रन का योगदान दिया।

विनिसियस जूनियर ने जीता सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार

नई दिल्ली। विनीसियस जूनियर ने सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार जीता और 2016 में इसकी स्थापना के बाद से ऐसा करने वाले पहले ब्राजीलियाई बन गए। मंगलवार को कतर के दोहा में एस्पायर अकादमी में उन्हें विजेता घोषित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद उन्होंने कहा, मैं साओ गोंकालो की गलियों में नंगे पांव खेलने वाला बच्चा था। मैं ऐसे कई बच्चों के लिए आदर्श हूँ जो सोचते हैं कि सब कुछ असंभव है और वे यहाँ तक नहीं पहुँच सकते। 2023-24 सीजन में, उन्होंने रियल मैड्रिड के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 39 मैचों में 24 गोल किए, जिसके साथ उन्होंने ला लीगा, यूईएफए चैंपियंस लीग और सुपरकोपा डी एस्पाना जीता। उन्होंने चिर प्रतिद्वंद्वी बार्सिलोना के खिलाफ़ सुपरकोपा फ़ाइनल में हैट्रिक बनाई। 2024 बैलन डी ओर विजेता रॉड्री (43 अंक - मैनचेस्टर सिटी और स्पेन) और साथी टीम के साथी जूड बेलिंगहैम (37 अंक - रियल मैड्रिड और इंग्लैंड) से आगे, विनीसियस 48 अंकों के साथ वोट चार्ट में शीर्ष पर रहे। वह क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लुका मोड्रिक के बाद इस समारोह के इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के लिए फीफा का पुरस्कार जीतने वाले तीसरे रियल मैड्रिड खिलाड़ी हैं, जिसकी शुरुआत 2016 में हुई थी। जहां रोनाल्डो ने पहले दो संस्करणों में जीत हासिल की थी, वहीं मोड्रिक ने 2018 में जीत हासिल की थी।

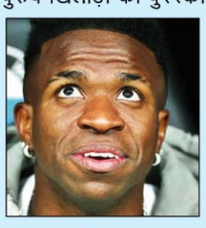

स्कॉट बोर्थविक की जगह डरहम के कप्तान बने एलेक्स लीस

डरहम। एलेक्स लीस को डरहम क्रिकेट क्लब का कप्तान नियुक्त किया गया है और उन्होंने अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे वह कम से कम अगले तीन सत्रों तक क्लब में बने रहेंगे। 2022 में इंग्लैंड के लिए 10 टेस्ट खेलने वाले लीस ने पिछले सीजन में डरहम को टी20 ब्लास्ट क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया था और पिछले दो वर्षों से उनकी व्हाइट-बॉल टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं। अब वह काउंटी चैंपियनशिप में भी स्कॉट बोर्थविक की जगह लेंगे, जो अपने करियर के अंत के करीब पहुंचने के साथ ही खिलाड़ी-कोच की भूमिका में आ रहे हैं। हैलिफ़ैक्स में जन्मे लीस को भविष्य में टेस्ट में नियमित खिलाड़ी माना जा रहा था, जब उन्होंने यॉर्कशायर में 22 साल की उम्र में टी20 टीम की कप्तानी की थी। लेकिन जेसन गिलेस्पी के कोच पद से हटने और 2018 में डरहम में जाने के बाद उन्हें फॉर्म में संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कैरिबियन में अपनी पहली सीरीज़ में इतना अच्छा प्रदर्शन किया कि उन्हें बेन स्टोक्स और ब्रेंडन मैकुलम के नेतृत्व में इंग्लैंड के पहले घरेलू समर के लिए बरकरार रखा गया, लेकिन अंततः 19 पारियों में दो अर्द्धशतक और 23.84 की औसत के रिकॉर्ड के साथ उन्हें बाहर कर दिया गया। वह तब से डरहम के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, पिछले दो सीजन में नौ चैंपियनशिप शतक बनाए हैं। लीस ने क्लब के एक बयान में कहा, डरहम में नए पुरुष क्लब कप्तान के रूप में नामित होने पर मुझे खुशी है। उत्तर पूर्व में जाना मेरे लिए अच्छा रहा है, इसलिए अब मुझे डरहम की कप्तानी करने का अवसर मिलना मेरे लिए सौभाग्य और सम्मान की बात है। मेरा मानना है कि इस टीम में आगे बढ़ने और ट्रॉफी जीतने की क्षमता है। हमारे पास यहाँ बहुत से बेहतरीन खिलाड़ी हैं और यही बात मुझे सबसे ज़्यादा उत्साहित करती है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

बारिश ने ड्रा कराया ब्रिसबेन टेस्ट

ब्रिसबेन

लगातार रूक रूक कर हो रही बारिश के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने दूसरी पारी 89/7 पर पारी घोषित करने और भारत को 275 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के लिए आमंत्रित किया। जवाब में भारतीय टीम बिना किसी नुकसान के 8 रन बना लिये थे तभी बारिश शुरु हो गई। काफी देर इंतजार करने के बाद जब बारिश नहीं रूकी तो मैच को समाप्त घोषित कर दिया गया, परिणाम स्वरूप मैच ड्रा हो गया और पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर है।

दोनों टीमों के बीच सीरीज का चौथा टेस्ट मैच 4 दिसंबर से मेलबर्न में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रन बनाए थे। जिसके जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में 260 रन बनाए। इस तरह ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 185 रन की बढ़त मिली थी।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी 7 विकेट पर 89 रन बनाकर घोषित की

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही और केवल 33 रनों पर उस्मान ख्वाजा (08), मार्नश लाबुशेन (01), नाथन मेकस्विनी (04) मिचेल मॉर्श (02) और स्टीव स्मिथ (04) पवेलियन लौट गए।

यहां से ट्रैविस हेड और एलेक्स कैरी ने ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 50 के पार पहुंचाया। 60 के कुल स्कोर पर सिराज ने हेड (17) को आउट कर भारत को छठी सफलता दिलाई। पैट कमिंस ने 10 गेंदों पर 20 रनों की तेज पारी खेली। 85 के कुल स्कोर पर बुमराह ने उन्हें आउट कर ऑस्ट्रेलिया को सातवां झटका दिया। बुमराह का यह ओवर समाप्त होने पर ऑस्ट्रेलिया ने 89 के कुल स्कोर पर अपनी पारी घोषित कर दी। भारत के लिए जसप्रीत बुराह ने 3, मोहम्मद सिराज और आकाशदीप ने 2-2 विकेट लिए।

भारत ने अपनी पहली पारी में 260 रन बनाए

इससे पहले आज पांचवें दिन आज भारत ने अपने कल के स्कोर 252 रन पर 9 विकेट से आगे खेलना शुरु किया। भारतीय आखिरी जोड़ी आकाशदीप और जसप्रीत बुमराह कल के स्कोर में 8 रन और जोड़े। 260 के कुल स्कोर पर ट्रैविस हेड की गेंद पर आकाशदीप स्टंप आउट हुए। आकाशदीप ने महत्वपूर्ण 31 रन बनाए, वहीं बुमराह 10 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारत के लिए केएल राहुल (84) और रवींद्र जडेजा (77) ने भी बेहतरीन अर्धशतकीय पारियां खेलीं। राहुल ने 84 और जडेजा ने 77 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस ने 4, मिचेल स्टॉर्क ने 3, जोश हेजलवुड, नाथन लियोन और ट्रैविस हेड ने 1-1 विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 445 रन, हेड और स्मिथ का शतक

इससे पहले ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने यहां गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में अपनी पहला पारी में 445 रन बनाए। हेड ने 152 और स्मिथ ने 101 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा एलेक्स कैरी ने अरधशतक लगाते हुए 70 रन बनाए।

भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 6, मोहम्मद सिराज ने दो और आकाशदीप, नीतीश रेड्डी ने 1-1 विकेट लिए।

मैंने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की है और इसे स्वीकार करने में कोई बुराई नहीं: रोहित शर्मा

ब्रिसबेन

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने ब्रिसबेन में एक और निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कहा कि उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की और इसे स्वीकार करने में कोई बुराई नहीं है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट से बाहर रहने के बाद वापसी करने वाले रोहित तीन पारियों में सिर्फ 19 रन बना पाए हैं। रोहित की आलोचना का मूल कारण क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में उनके घरेलू प्रदर्शन हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की ऐतिहासिक 3-0 की घरेलू सीरीज में वाइटवॉश के दौरान, अपनी चमक खो चुके इस आक्रामक सलामी बल्लेबाज ने तीन टेस्ट मैचों में 15.17 की औसत से सिर्फ 91 रन बनाए। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज हारने से पहले भी, जब भारत ने बांग्लादेश का सामना किया था, तो इस तेजतर्रार सलामी बल्लेबाज ने दो टेस्ट मैचों में सिर्फ 42 रन बनाए थे, जबकि उनका औसत सिर्फ 10.50 था। रोहित ने माना कि यह स्वीकार करने में कोई बुराई नहीं है कि उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की है, लेकिन उन्हें लगता है कि उनका शरीर अभी भी अच्छी तरह से चल रहा है, जो दर्शाता है कि रन उनके बल्ले से दूर नहीं हो सकते हैं। रोहित ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैंने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की है। इसे स्वीकार करने में कोई बुराई नहीं है। लेकिन मुझे पता है कि मेरे दिमाग में क्या है, मैं खुद को कैसे तैयार कर रहा हूं। यह जितना संभव हो उतना समय बिताने के बारे में है। जब तक मेरा दिमाग, शरीर और मेरे पैर अच्छी तरह से चल रहे हैं, मैं इस बात से काफी खुश हूं कि चीजें मेरे लिए कैसे हो रही हैं। ये संख्याएँ बता सकती हैं कि उन्हें बड़े नंबर मिले हुए काफी समय हो गया है, मेरे जैसे व्यक्ति के लिए, यह इस बारे में है कि मैं अपने बारे में कैसा महसूस कर रहा हूँ। मैं अपने बारे में अच्छा महसूस कर रहा हूँ। हाँ रन यह नहीं दिखा रहे हैं लेकिन अंदर यह एक अलग एहसास है। बता दें कि ब्रिसबेन में खेला गया टेस्ट मैच लगातार हो रही बारिश के कारण ड्रा हो गया। मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 445 रन बनाए, जवाब में भारत ने अपनी पहला पारी में 260 रन बनाए, पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 185 रन की बढ़त हासिल हुई।

बास्केटबॉल चैंपियनशिप जीतने के बाद जश्न

लास वेगास, नेवादा,मिल्वौकी में बक्स फॉरवर्ड जियानिस एंटेटोकोउनम्पो (34) ने टी-मोबाइल एरिना में ओक्लाहोमा सिटी थंडर के खिलाफ एमिरेट्स एनबीए कप बास्केटबॉल चैंपियनशिप गेम जीतने के बाद ट्रॉफी उठाई और खिलाड़ियों और कर्मचारियों के साथ जश्न मनाया।

कुछ साल पहले मानसिक स्वास्थ्य के कारण टेनिस से ब्रेक लेने के बारे में सोचा था : राफेल नडाल

नई दिल्ली

राफेल नडाल ने कुछ साल पहले टेनिस से मानसिक स्वास्थ्य के कारण ब्रेक लेने के बारे में सोचा था। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने मंगलवार को एक ऑनलाइन पोस्ट के जरिए उक्त खुलासा किया।

नडाल ने द प्लेयर्स ट्रिब्यून पर कहा, शारीरिक दर्द से मैं बहुत अभ्यस्त था, लेकिन कोर्ट पर ऐसे समय भी आए जब मुझे अपनी सांसों को नियंत्रित करने में परेशानी हुई और मैं उच्चतम स्तर पर नहीं खेल पाया। मुझे अब यह कहने में कोई परेशानी नहीं है। आखिरकार, हम इंसान हैं, सुपरहीरो नहीं। शुक्र है, मैं चिंता जैसी चीजों को नियंत्रित करने में असमर्थ होने की स्थिति में नहीं पहुंचा, लेकिन हर खिलाड़ी के साथ ऐसे क्षण आते हैं जब अपने दिमाग को नियंत्रित करना मुश्किल होता है और जब ऐसा होता है तो अपने खेल पर पूरा नियंत्रण रखना मुश्किल होता है।

उन्होंने कहा, ऐसे कई महीने थे जब मैंने अपने दिमाग को साफ करने के लिए टेनिस से पूरी तरह से ब्रेक लेने के बारे में सोचा। अंत में, मैंने बेहतर होने के लिए हर दिन इस पर काम किया। 38 वर्षीय नडाल ने नवंबर में स्पेन के लिए डेविस कप खेलने के बाद संन्यास ले लिया था। इससे पहले दो सत्र चोटों से भरे रहे थे, जिसके कारण वे बहुत कम ही प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले पाए थे।

पोस्ट में उन्होंने अपने बाएं पैर में पुराने दर्द के बारे में लिखा, जो पहली बार तब सामने आया जब वह 17 साल के थे और कहा कि तब उन्हें बताया गया था कि वह शायद फिर कभी पेशेवर टेनिस नहीं खेल पाएंगे।

उन्होंने कहा, मैंने घर पर कई दिन रोते हुए बिताए, लेकिन यह विनम्रता का एक बड़ा सबक था, और मैं भाग्यशाली था कि मेरे पास एक पिता थे - मेरे जीवन में उनका वास्तविक प्रभाव - जो हमेशा बहुत सकारात्मक थे।

नडाल ने फ्रेंच ओपन में रिकॉर्ड 14 चैंपियनशिप जीतीं। उन्होंने मैचों से पहले घबराहट और अपने करियर के कुछ मुख्य अंशों का उल्लेख किया, और कहा, मुझे उम्मीद है कि मेरी विरासत यह होगी कि मैंने हमेशा दूसरों के साथ गहरे सम्मान के साथ व्यवहार करने की कोशिश की। यह मेरे माता-पिता का सुनहरा नियम था।

अश्विन के संन्यास पर रोहित ने कहा- उन्हें पर्थ से ही अश्विन के फैसले का अंदाजा था

ब्रिसबेन

बुधवार को गाबा में बारिश के कारण अटकलों का दौर जारी था। संन्यास की चर्चा हवा में थी और जब आर. अश्विन ने स्पष्ट किया कि वह अंतरराष्ट्रीय खेल से संन्यास ले रहे हैं, तो सभी अटकलें तुरंत खत्म हो गईं।

रोहित शर्मा को पर्थ में पहले टेस्ट मैच से ही अश्विन के संन्यास का अंदाजा था।

प्रेस कॉन्फ्रेंस हॉल से अश्विन के जाने के बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए भारतीय कप्तान ने कहा, कुछ फैसले बहुत निजी होते हैं और मुझे नहीं लगता कि इस बारे में बहुत सारे सवाल पूछे जाने चाहिए। अगर किसी खिलाड़ी के पास कोई विकल्प है, तो उसे वह विकल्प दिया जाना चाहिए और अश्विन जैसे खिलाड़ी, जो इतने सालों से हमारे लिए खेल रहे हैं, उन्हें इस तरह के फैसले लेने की अनुमति है और हमें टीम के साथी के तौर पर इसका सम्मान करना चाहिए। वह जो करना चाहते थे, उसके बारे में वह बहुत आश्वस्त थे और टीम ने उनकी सोच का पूरा समर्थन किया।

अश्विन के फ़ैसले के बारे में बात करते हुए रोहित ने विस्तार से बताया, जब मैं पर्थ आया तो मैंने यह सुना। जाहिर है इसके पीछे कई चीजें हैं। मुझे यकीन है कि ऐश इसका जवाब दे पाएगा। लेकिन वह समझता है कि टीम क्या सोच रही है, वह समझता है कि हम किस तरह के संयोजन के बारे में सोच रहे हैं और जब हम यहाँ आए थे तो हमें भी यह नहीं पता था कि कौन सा स्पिनर खेलेगा, हम बस यह आकलन करना चाहते थे कि हमारे सामने किस तरह की परिस्थितियाँ हैं, लेकिन हाँ जब मैं पर्थ पहुँचा, तो हमारी इस तरह की बातचीत हुई। मैंने किसी तरह उसे उस गुलाबी गेंद वाले टेस्ट (एडिलेड में) के लिए रुकने के लिए मना लिया, और उसके बाद, आप जानते हैं, ऐसा हुआ कि उसे लगा कि अगर %मेरी ज़रूरत नहीं है तो खेल को अलविदा कहने का सही समय है%। हम सभी को इस समय उसकी सोच के साथ खड़ा होना चाहिए। इस तरह अश्विन, गौतम गंभीर और मैंने इस बारे में बातचीत की।

अश्विन से जुड़ी अपनी निजी यादों के बारे में पूछे जाने पर रोहित ने कहा, मैंने अंडर-17 से ही अश्विन के साथ क्रिकेट खेला है। तब वह ओपनर थे। और फिर कुछ साल बाद, मैं तमिलनाडु से खबर सुन रहा हूँ कि आर. अश्विन पाँच विकेट, सात विकेट ले रहे हैं और मैं सोच रहा था कि यह लड़का कौन है। मैंने उसे बल्लेबाज के तौर पर देखा और फिर अचानक वह एक गेंदबाज बन गया जो पाँच विकेट ले रहा है। फिर जाहिर है, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हम फिर मिले और 2010 से एक साथ एक लंबा सफर तय किया।

रोहित ने भारतीय क्रिकेट में अश्विन के योगदान को लेकर कहा, वह भारत के लिए एक सच्चे मैच विजेता हैं। जब भी कोई संकट आया, हमने अश्विन की ओर देखा और उन्होंने हमारे लिए कुछ किया। उनका रिकॉर्ड खुद ही सब कुछ बयां करता है। वह भारतीय क्रिकेट के सेवक रहे हैं और उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी है।

25 सालों से अंतरिक्ष में है ये नाइजीरियन

आज बड़े बड़े देश अंतरिक्ष की यात्रा कर रहे है और एलियन की खोज में लगे हुए है, आज यहां ऐसे नाइजीरियन एस्ट्रोनॉट की बात हो रही है जो 25 सालों से अंतरिक्ष में ग्रहों के चक्कर लगा रहा है। जानकारी के लिए बता दें इस एस्ट्रोनॉट का नाम अबाचा टुंडे है, जो सालों पहले यु एस एस आर के साथ सोवियत स्पेस क्राफ्ट में स्पेस गए थे, और अब तक नहीं लौटे और बाकी साथी धरती पर वापस आ गए। पिछले एक हफ्ते में ब्रिटिश वेबसाइट अनरोक पर जो मैसेज आया जिसने सभी को हिला कर रख दिया है , मैसेज में लिखा था की वे अंतरिक्ष में फंस गया है और उसे धरती पर आने के लिए 3 मिलियन की जरूरत है, इस मैसेज के आते ही मानो हड़कम्प सा मच गया और खबर हवा की तरह फैलती चली गई। यु एस एस आर के सगे साथियों ने बताया की हो सकता है टुंडे का 25 साल अंतरिक्ष में रहना एक मिशन का हिस्सा हो,हालांकि की अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है। जब से अबाचा टुंडे की अंतरिक्ष में गए है तबसे उनकी सैलरी 15 मिलियन हो चुकी है जो लेगोस नेशनल सेविंग्स एंड ट्रस्ट एसोसिएशन में जा रही है,

प्याज की चाय घटाती है तेजी से वजन

प्याज की चाय वजन कम करने के साथ डायबिटीज को दूर करती है। प्याज की चाय प्याज के छिलके से बनती है। इसमें क्रेरसेटिन नाम का पिग्मेंट होता है जिसके कई सारे फायदे हैं। ये खून का थक्का बनने से रोकता है जिससे हाइपरटेंशन का खतरा कम होता है। इसके अलावा अगर नींद ना आने की समस्या से परेशान हैं तो प्याज की चाय बहुत फायदा करती है।

नार्कोलेप्सी से जुड़े हैं ये जोखिम

नार्कोलेप्सी नींद से जुड़ी एक ऐसी समस्या है जिसमें रोगी कभी भी और कहीं भा अचानक से सो जाता है। इस बीमारी में रोगी कभी भी बैठे-बैठे या काम करते हुए सो जाता है, यहां तक कि हंसते या रोते हुए भी। साथ ही रोगी दिन भर उनींदा और थका हुआ रहता है। कितना भी सो लेने के बाद रोगी को लगता है, कि वह सोया ही नहीं है। यह बीमारी अधिकांशतः 15 से 25 साल की आयु के लोगों को अपना शिकार बनाती है। नार्कोलेप्सी से कई प्रकार के जोखिम भी जुड़े होते हैं। चलिए जानें नार्कोलेप्सी और इससे जुड़े जोखिम क्या हैं

क्या है नार्कोलेप्सी

नार्कोलेप्सी के रोगी हमेशा सुस्त महसूस करते हैं और उन्हें अधिक समय तक जागने में कठिनाई होती है। हालांकि अभी तक वैज्ञानिक इस बीमारी का ठोस कारण पता लगाने में सफल नहीं हो पाए हैं। लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि अनुवांशिकी और वायरस के संयोग से ऐसी स्थिति पैदा होती है। महिलाओं इस बीमारी के लक्षण मरीज में लम्बे समय से हो सकते हैं लेकिन बीमारी का पता बहुत दिनों बाद चलता है।

मोटापा

नार्कोलेप्सी से पीड़ित रोगी के ओवर वेट होने की आशंका सामान्य लोगों से दो गुना तक अधिक होती है। वजन बढ़ाने की ये घटना निष्क्रियता, ज्यादा खाने, हाइपोसर्टेन की कमी या अन्य कारकों के संयोजन से संबंधित हो सकती है। नार्कोलेप्सी के मरीज हमेशा सुस्त रहते हैं। इन रोगियों में मनासिक समस्याओं जैसे डिप्रेशन, बाइपोलर डिस्ऑर्डर और सीजोफ्रेनिया भी शामिल हो सकते हैं। इसलिए इसके लक्षणों के प्रति सचेत रहना चाहिए और समय रहते चिकित्सकीय मदद लेनी चाहिए।

नार्कोलेप्सी के जोखिम कारक

बाहरी व निजी जीवन में नार्कोलेप्सी व्यक्तिगत रूप से आपके लिए गंभीर समस्याएं पैदा कर सकती है। चलिये जानें कि इस रोग के कारण किस तरह के जोखिम पैदा हो सकते हैं -

नींद के ये अटैक नार्कोलेप्सी से पीड़ित व्यक्ति को शारीरिक नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। यदि ड्राइविंग करते हुए इस तरह का स्लीप अटैक आए तो एक्सीडेंट हो सकता है। वहीं यदि भोजन तैयार करते समय आप सो जाएं तो कट जाने व जल जाने का खतरा अधिक होता है।

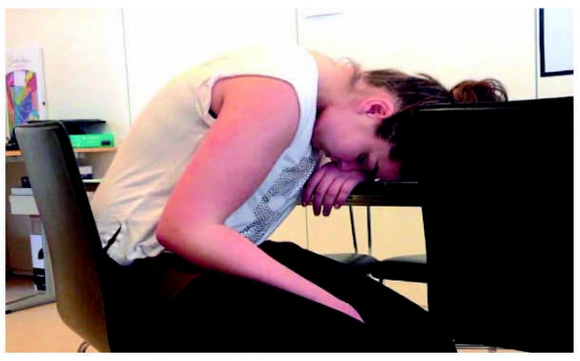

आंखें खोलती हैं सेहत से जुड़े राज

आंखों के रंगों में बदलाव सामान्य समस्या नहीं है, बल्कि यह खतरनाक हो सकता है, इसे हल्के में न लें और आंखों की जांच कराएं। आंखें कुदरत का सबसे अनमोल तोहफा हैं, न केवल हम इनसे दुनिया को देखते हैं बल्कि आपकी आंखों में ही आपके सेहत का राज छिपा है। आपकी आंखें बहुत कुछ कहती हैं, अगर आपको कोई बीमारी है तो उसका पता आपकी आंखों से आसानी से चल जाता है। अगर आपकी आंखों का रंग बदल रहा है तो इसे हल्के में न लें, हो सकता है यह किसी गंभीर बीमारी के संकेत हों।

मानसिक स्वास्थ्य में

कुछ दिमागी बीमारियां हैं जिनके बारे में आंखें बताती हैं। सीजोफ्रेनिया और बाइपोलर डिसऑर्डर जैसी मानसिक बीमारी होने पर आपकी आंखों का रंग अलग होगा। जैसे सीजोफ्रेनिया होने पर व्यक्ति अपनी आंखों को एक ही बिंदु पर स्थिर नहीं रख सकता है। लेकिन हाल में हुए शोध के अनुसार ग्लूकोमा होने पर भी व्यक्ति को ऐसी परेशानी होती है।

ब्रेन ट्यूमर होने पर

दिमाग में ट्यूमर होने पर सिरदर्द, थकान, आलस, जैसी स्थिति इसके सामान्य लक्षण हैं। लेकिन ब्रेन ट्यूमर होने पर आंखों का रंग बदलता तो है साथ ही देखने में परेशानी होती है, धुंधला दिखाई देता है।

थायराइड होने पर

थायराइड ग्रंथि का सुचारु रूप से काम करना हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। थकान, वजन कम होना या बढ़ना, बार-बार भूख लगना थायराइड ग्रंथि के ठीक से काम न करने के लक्षण हैं, लेकिन थायराइड ग्रंथि में समस्या होने पर आंखें उभरी हुई दिखती हैं। अगर आपकी आंखों में उभार हो तो यह थायराइड के संकेत हैं।

डायबिटीज की समस्या

मोटापे और अनियमित दिनचर्या के कारण डायबिटीज के लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। डायबिटीज होने पर आंखों पर भी असर पड़ता है, इसके कारण आंखों की पुतलियों का रंग बदल जाता है और आंखों की रक्त वाहिकायें भी प्रभावित होती हैं, इसके कारण नकसीर भी हो सकता है।

पीलिया होने पर

पीलिया होने पर उसका पता नाखूनों के अलावा आंखों के रंग से भी चल जाता है। पीलिया होने पर आंखों में एक किस्म का पीलापन और भूरापन आ जाता है। हालांकि अधिक मात्रा में वसायुक्त भोजन करने और फलों और हरी सब्जियों का सेवन कम करने के कारण भी आंखों का पीलापन बड़ने लगता हैं। इससे देखने की क्षमता पर असर नहीं पड़ता। परंतु यदि आंखों का पीलापन लगातार बढ़ रहा है तो पीलिया की जांच कराएं।

मोतियाबिंद

मोतियाबिंद आंखों की बीमारी है, इसके कारण आंखों की रोशनी जा सकती है और आदमी अंधा भी हो सकता है। इसकी शुरूआत धुंधला दिखाई देने से होती है। यह बीमारी आंखों के पर्दे पर धुंधला धब्बे बनने के कारण होता है। अगर आंखों पर धुंधले धब्बे दिखे तो यह मोतियाबिंद हो सकता है।

तनाव होने पर

आदमी को यदि तनाव या अवसाद हो तो उसकी आंखें इसके बारे में बता देती हैं। तनाव के कारण अनिद्रा की समस्या होती है ओर इसकी वजह से आपकी आंखों का रंग लाल हो जाता है। हालांकि कभी-कभी यह लक्षण थॉयराइड के कारण भी हो सकते हैं।

पैरालिसिस या लकवा

लकवा जैसे गंभीर स्ट्रोक होने पर पलकें लटकी हुई दिखाई देती हैं, हालांकि यह समस्या बुढ़ापे में होती है। लेकिन कुछ मामलों में लटकी पलकें गंभीर स्ट्रोक के संकेत हो सकते हैं। पलकों के लटकने के अलावा आवाज में भी लड़खड़ाहट होने लगती है। इस स्थिति में खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

एलर्जी होने पर

अगर आपकी आंखें लाल हैं और उनमें खुजली हो रही है तो यह एलर्जी के संकेत हो सकते हैं। एलर्जी होने पर आंखें लाल हो जाती हैं और छींक भी आती है। इस समय नाक बंद हो जाती है और नाक से पानी भी आता है।

उच्च रक्तचाप में

उच्च रक्तचाप की समस्या होने पर भी आंखों के रंग में बदलाव होता है। हाई ब्लड प्रेशर के दौरान आंखें लाल हो जाती हैं। इसके अलावा रक्त वाहिकाओं यानी ब्लड वेसेल्स के फैलने के कारण आंखों में सूजन भी हो सकती है। उच्च रक्तचाप के कारण होता है।

ह्यूमेनिटीज में भरपूर रोजगार...

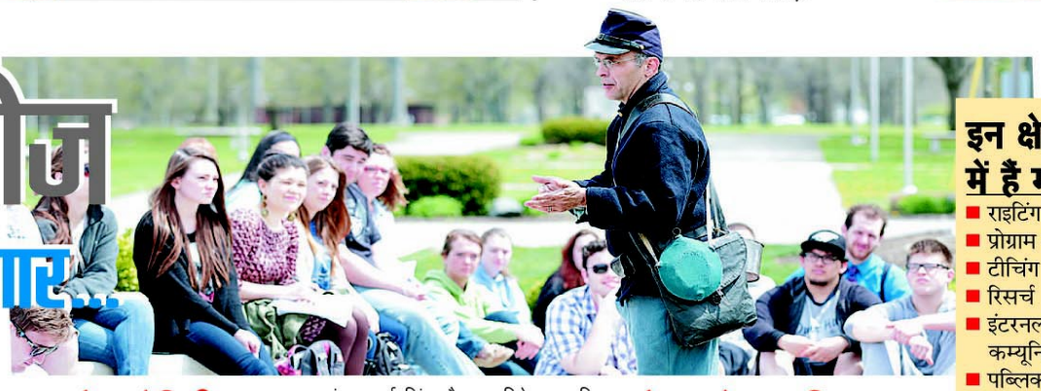

दसवीं और बारहवीं के स्तर पर साइंस और ॉमर्स के बाद छात्रों या अभिभावकों के सामने ्यूमेनिटीज स्ट्रीम शेष रह जाती है। इस स्ट्रीम ो हालांकि छात्र और अभिभावक अपनी ाथमिकता में पहले या दूसरे स्थान पर नहीं खते, लेकिन बदलते वक्त के साथ इस स्ट्रीम े जुड़ी संभावनाओं का आकाश भी काफी ़स्तृत हो गया है। ह्यूमेनिटीज को कुछ वर्ष हले तक एक ऐसे स्ट्रीम के रूप में देखा जाता ा, जो या तो कम बुद्धिमान लोगों के लिए है ा शिक्षक बनने की इच्छा रखने वालों के लिए। ेकिन मौजूदा वक्त में यह धारणा अप्रासंगिक ो चुकी है। अब ह्यूमेनिटीज की बदौलत ऊंचे द, बड़ी उपलब्धियां और तरक्की पाई जा ़कती है। शिक्षण के अलावा इसमें सैकड़ों रह के रोजगार उपलब्ध हैं, जो रुचिकर होने े साथ-साथ अपनी कार्य-प्रकृति में विशिष्ट भी ें। ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम आपके सामने असीमित ़कल्प रखती है। यकीन न हो, तो मानवीय तिविधियों से जुड़े किसी भी क्षेत्र को देख ीजिए, आप हर क्षेत्र में ह्यूमेनिटीज के छात्रों ो सफलता के साथ काम करता हुआ पाएंगे।

क्या है ह्यूमेनिटीज

इस स्ट्रीम के अंतर्गत मुख्य रूप से मानव समाज और उसकी मान्यताओं का अध्ययन किया जाता है। इसके जरिए यह समझने का प्रयास किया जाता है कि लोग स्वयं को कैसे कला, धर्म, साहित्य, वास्तुकला और अन्य रचनात्मक कार्यों आदि के जरिए अभिव्यक्त करते हैं? इस कार्य के लिए इस स्ट्रीम के शोधार्थी एनालिटिकल और हाइपोथिटिकल मेथड का प्रयोग करते हैं। इस स्ट्रीम को मोटे तौर पर परफॉर्मिंग आर्ट्स (म्यूजिक), विजुअल आर्ट्स, रिलिजन, लॉ, एंसिएंट/ मॉडर्न लैंग्वेजेस, फिलॉस्फी, लिटरेचर, हिस्ट्री, जियोग्राफी, पॉलिटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, सोशियोलॉजी, साइकोलॉजी आदि विषयों में बांटा जाता है। ह्यूमेनिटीज में कई ऐसे विषय हैं, जिनकी पढ़ाई के बाद लॉ, जर्नलिज्म, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, मीडिया एंड एडवर्टाइजिंग और कम्यूनिकेशन आदि प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में पोस्ट ग्रेजुएशन किया जा सकता है।

आईआईटी में कोर्स

ह्यूमेनिटीज के आम जिंदगी में महत्व को इस बात से भी आंका जा सकता है कि अब आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान भी ह्यूमेनिटीज और सोशल साइंसेज में पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं। आईआईटी मद्रास बारहवीं पास छात्रों के लिए ह्यूमेनिटीज में पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड एमए पाठ्यक्रम संचालित करता है। इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए यह संस्थान एचएसईई यानी ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेज एंट्रेंस एग्जामिनेशन नाम से हर साल एक प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। इसी तरह आईआईटी गांधीनगर पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर एमए इन सोसायटी एंड कल्चर नाम से पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है।

कैसा होगा करियर

दसवीं या बारहवीं पास करने वाले काफी छात्रों के मन में एक आम-सा प्रश्न होता है कि ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम को चुनने के बाद उनके करियर का स्वरूप कैसा होगा? इस प्रश्न का कोई सीधा जवाब नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट है कि करियर का स्वरूप काफी हद उनके द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम पर निर्भर होता है। किसी ह्यूमेनिटीज विषय में डिग्री हासिल करने के बाद आप कई क्षेत्रों में रोजगार पा सकते हैं। स्कूलों, म्यूजियमों, एडवर्टाइजिंग एजेंसियों, अखबारों, आर्ट गैलरियों, पत्रिकाओं और फिल्म स्टूडियो आदि में भी काम के मौके तलाशे जा सकते हैं। इन अवसरों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि समय के साथ ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम पर आधारित संभावनाओं का फलक और विस्तृत हुआ है।

इन क्षेत्रों में हैं मौके

- राइटिंग
- प्रोग्राम प्लानिंग
- टीचिंग
- रिसर्च
- इंटरनल कम्यूनिकेशन
- पब्लिक रिलेशन्स
- पॉलिसी रिसर्च एंड एनालिसिस
- एडमिनिस्ट्रेशन
- सोशल वर्क
- मैनेजमेंट
- इंफॉर्मेशन
- जर्नलिज्म
- आर्कियोलॉजी
- एंथ्रोपोलॉजी
- एग्रीकल्चर
- जियोग्राफी
- एनजीओ
- इंडस्ट्रियल रिलेशन
- लाइब्रेरी साइंस
- लिबरल आर्ट्स
- फिलॉस्फी

IIT बॉम्बे के स्टूडेंट्स ने बनाई विस्फोटक ढूंढने वाली इलेक्ट्रॉनिक नाक

जिन जगहों पर भीड़ ज्यादा हो, वहां पर विस्फोटकों का पता लगाने के लिए स्निफर डॉग्स को इस्तेमाल करना सुविधाजनक नहीं होता। मगर अब एक आसान तरीका ढूंढा गया है। आईआईटी बॉम्बे ने नैनो टेक्नॉलजी पर आधारित एक पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक नोज (नाक) तैयार किया है, जो भीड़भाड़ वाली जगहों पर भी विस्फोटकों को सूंघ लेता है। इसका नाम ईनोज (eNose) रखा गया है।

आईआईटी बॉम्बे के 4 विभिन्न विभागों के 15 छात्रों की टीम ने इसे डिवेलप किया है। इसे भारत सरकार के प्रिंसिपल साइंटिफिक अडवाइजर के ऑफिस ने फंड किया है। ईनोज को दूर से संचालित करने के लिए मोबाइल फोन के साथ लिंक किया जा सकता है।

टेक्नॉलजी के बारे में बात करते हुए इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग के प्रफेसर वी. रामगोपाल राव ने बताया, 'ईनोज के सरफेस पर खास कोटिंग लगी हुई है। इंसान के बाल की मोटाई के बराबर संरचनाएं इसमें हैं, जो सेंसर का काम करती हैं। इसपर लगे नैनो पार्टिकल्स पर विस्फोटक सामग्री के वाष्प कण चिपक जाते हैं।' यह RDX और ENT जैसे विस्फोटकों की पहचान कर सकता है। सरफेस पर अलग-अलग तरह की कोटिंग से यह अलग तरह के विस्फोटकों को पहचान सकता है। इसे इस तरीके से तैयार किया गया है कि बिल्कुल इंसान या जानवर की नाक की तरह काम करता है। इसे पंप के साथ फिट किया गया है, जो आसपास की हवा को अंदर लेकर और बाहर छोड़ता रहता है। ईनोज को गतिशील गाड़ी में भी इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि इसे वाइब्रेशन से पावर मिलती है। यह सरफेस वाइब्रेशन से चार्ज किया जा सकता है। यह मकैनिकल एनर्जी को इलेक्ट्रिकल एनर्जी में तब्दील कर देता है। इस नाक को तैयार करने में इस्तेमाल हुए हिस्सों पर 5 से 10 हजार रुपये का खर्च आया है।

रेसिपी

चॉकलेट पराठा

सामग्री

1 कप चॉकलेट पेस्ट
3 कप गेहूं का आटा
तेल तलने के लिए
नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले एक कटोरे में आटाए नमक और पानी मिला कर नरम गूथ लें। अब गूथे हुए आटे में से थोड़ा सा हिस्सा निकालें और उसे मसल कर बेल लें। बेले हुए हिस्से में चॉकलेट पेस्ट बीच में रख कर फैलाएं। अब आटे को सब तरफसे बंद करें और दुबारा बेलें। अब गरम तवे पर तेल लगा कर पराठे सेकें। पराठे को दोंनो ओर गोल्डन ब्राउन होने तक सेंके। आपका पराठा सर्व करने के लिए तैयार है।

होल व्हीट ब्रेड रोल्स

सामग्री

2 कप गेहूं का आटा
1 टी.स्पून सूखा खमीर
1 टी.स्पून शक्कर
1 टेबल.स्पून नरम मक्खन
नमक स्वादअनुसार

विधि

एक छोटे बाउल मेंए खमीरए शक्कर और 2 टेबल.स्पून गुनगुने पानी को मिला लें और ढक्कन से ढककर 10 मिनट के लिए रख दें। एक गहरे बाउल में गेहूं का आटा मक्खन नमक और खमीर.शक्कर के मिश्रण को मिला लें और लगभग 3-4 कप गुनगुने पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को हल्के गीले सुती कपड़े से ढककर 20 मिनट के लिए रख दें। बेकिंग ट्रे को तेल से चुपड़कर रख दें। आटे को 8 भागो में बांट लें और प्रत्येक भाग के गोले बनाकर चुपड़ी हुई बेकिंग ट्रे पर रख दें। हल्के गीले सूती कपड़े से ढक्कर 45 मिनट या एनके अच्छी तरह फूल जाने तक 45 मिनट के लिए गरम जगह पर रख दें। पहले से गरम अवन में 200°c ;400°fh के तापमान पर 20 मिनट के लिए बेक कर लें। हल्का ठंडा कर परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**